रायपुर। मंगलवार, 29 सितम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 58/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल लवलीना ने बॉक्सिंग में पक्का किया एक और मेडल...
@ विचार पाकिस्तान के बेतूके सवालः भारत के सटीक जवाब...
@ व्यापार वैश्विक तनावों के चलते धराशायी हुआ बाजार...

खबर झरोखा

आतंकवाद विरोधी अभियानों में दिखेगा भारत-कजाकिस्तान की सेनाओं का तालमेल

नई दिल्ली। भारत और कजाकिस्तान की सेनाएं एक बार फिर संयुक्त सैन्य अभ्यास के मैदान में साथ उतरने जा रही हैं। भारत-कजाकिस्तान के संयुक्त सैन्य अभ्यास कजिंद-2026 में हिस्सा लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों का 60 सदस्यीय दल सोमवार को कजाकिस्तान के ओस्केमेन के लिए रवाना हो चुका है। अभ्यास के दौरान आतंकवादी गतिविधियों की स्थिति से निपटने के लिए कई तरह के अभियान किए जाएंगे। इनमें छापेमारी, खोज और विनाश अभियान, घेराबंदी और तलाशी अभियान शामिल हैं।

कांग्रेस यूपी की 403 सीटों पर कर रही तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा एक युवक को थप्पड़ मारे जाने की घटना को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह घटना भाजपा का 'असली चरित्र' दिखाती है। गौतम ने कहा कि सवाल पूछने वाले लोगों के साथ बदसलूकी की जाती है और उन्हें या तो थप्पड़ मारा जाता है ।

ताकतवर रॉकेट स्टारशिप पहली बार ऑर्बिट में पहुंचा: 26 सैटेलाइट भी लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का सबसे ताकतवर रॉकेट 'स्टारशिप' सोमवार को पहली बार पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा। सैटेलाइट भी लॉन्च किए गए।

भारतीय समयानुसार शाम 6:16 बजे इस रॉकेट को लॉन्च किया गया था। ये स्टारशिप का 14वां टेस्ट है। यह पहली बार है जब स्टारशिप को पृथ्वी की ऑर्बिट में भेजा गया है, जहां यह पृथ्वी के 6 चक्कर लगाएगा। इसके बाद यह चिली के पास समुद्र में लैंड करेगा।

इससे पहले की सभी उड़ानों में रॉकेट को सब-ऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी तक ही सीमित रखा गया था ताकि सुरक्षा बनी रहे और ज्यादा से ज्यादा डेटा जुटाया जा सके।

स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता

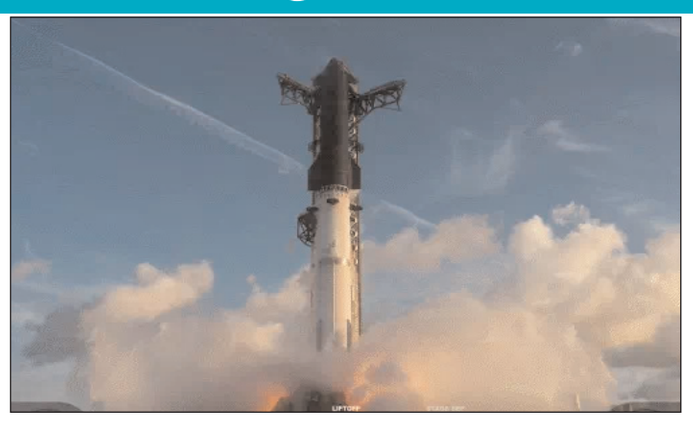

है। इस व्हीकल की ऊंचाई 403 फीट है।

ऑर्बिटल और सब-ऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी में अंतर

सब-ऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी: इसमें रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा तक तो पहुंचता है, लेकिन वह पृथ्वी की गति और खिंचाव के कारण चक्कर लगाए बिना वापस नीचे गिर जाता है।

ऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी: इसमें रॉकेट इतनी तेज रफ्तार और सही कोण पर उड़ता है कि वह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण को संतुलित करते हुए लगातार कक्षा में चक्कर लगाने लगता है।

10 घंटे का सफर, पृथ्वी के लगाएगा 6 चक्कर

इस मिशन में स्टारशिप जमीन से लगभग 275 किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ेगा। करीब 10 घंटे लंबे इस सफर में यह पृथ्वी के 6 चक्कर पूरे करेगा। मिशन खत्म होने के बाद रॉकेट चिली देश के पास प्रशांत महासागर में सुरक्षित पानी पर लैंड यानी स्प्लैशडाउन करेगा।

पहली बार स्पेस में छोड़े जाएंगे 26 नए स्टारलिंक सैटेलाइट्स

इस उड़ान से पहली बार नई तकनीक वाले 26 'स्टारलिंक V3' सैटेलाइट्स अंतरिक्ष में भेजे जा रहे हैं। इनसे पूरी दुनिया में इंटरनेट की स्पीड और नेटवर्क काफी बेहतर हो जाएगा।

इस नए मॉडल का सिर्फ एक सैटेलाइट ही नेटवर्क में 1 टेराबिट प्रति सेकंड की डेटा क्षमता जोड़ देगा, यानी इस अकेले मिशन से कुल 26 टीबीपीएस की क्षमता जुड़ जाएगी, जो कि फॉल्कन 9 रॉकेट से भेजे जाने वाले छोटे सैटेलाइट्स के मुकाबले लगभग 10 गुना ज्यादा है।

रॉकेट से अलग होते ही ये सैटेलाइट अपने एंटीना और सोलर पैनल खोल लेंगे और रेडियो तरंगों व लेजर के जरिए जमीन तथा बाकी सैटेलाइट्स से संपर्क साधेंगे।

इसके बाद वे अपने छोटे इंजनों की मदद से तय कक्षा में पहुंच जाएंगे और सभी शुरुआती जांचों के बाद इंटरनेट

उज्जैन-मस्जिद विवाद, याचिका हाईकोर्ट में खारिज फिर पथराव-लाठीचार्ज हुआ

एजेंसी ■ उज्जैन

उज्जैन के शाही मस्जिद मामले में दायर याचिका मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच हुए समझौते के आधार पर मामले को डिस्पोज ऑफ कर दिया।

याचिकाकर्ता शाही मस्जिद कमेटी के एडवोकेट कुलदीप पाठक ने कहा- सड़क के लिए 3 फीट जगह के साथ कुछ दुकानें हटाने पर सहमति बनी है। बड़ी मीनार को दूसरी ओर शिफ्ट किया जाएगा। दुकानों के लिए दूसरी जगह दी जाएगी।

इससे पहले सोमवार सुबह मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। जवाब में लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी गई। भीड़ को हटाने के दौरान महिला

20 पर एफआईआर इमाम का दावा- मस्जिद 600 साल पुरानी

थाना प्रभारी घायल हो गईं।

विवाद के बाद फोर्स तैनात कर दी गई, लेकिन दोपहर बाद फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया। पुलिस ने 3 थानों में 20 लोगों के खिलाफ 8 नामजद प्राथमिकी दर्ज की हैं। इनमें 5 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शामिल हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। 15 लोगों को हिरासत में लिया है।

सड़क के दायरे में आए 15 धर्मस्थल, 12 हटाए

सिंहस्थ प्रोजेक्ट के तहत उज्जैन में कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक डेढ़ किलोमीटर एरिया की सड़क 15 मीटर चौड़ी की जाएगी। इसके लिए 323 मकान तोड़े जाएंगे। इनमें 15 धर्मस्थल हैं। अब तक 12 धर्मस्थल हटाए जा चुके हैं। सड़क के दायरे में शाही मस्जिद का भी करीब 9 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा हिस्सा आ रहा है। दस्तावेज में इस मस्जिद के 100 साल से ज्यादा पुरानी होने की पुष्टि होती है। हालांकि, इमाम का दावा है कि यह 600 साल से ज्यादा पुरानी है।

चुनावी हार से राहुल गांधी को सीखने की जरूरतः नितिन नवीन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पानीहाटी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिए बयानों पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार चुनावी हार से निराश और हताश हो चुके हैं। उनके लिए बेहतर होगा कि वे इन चुनावी हार से सीखें। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो आने वाले समय में भी जनता उन्हें वोट की चोट देती रहेगी।

पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे नितिन नवीन ने पानीहाटी में मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी हार और निराशा से पूरी तरह बौखला गया है। आज हम देख रहे हैं कि चाहे कांग्रेस हो या टीएमसी, वे अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। जब वे तमिलनाडु और केरल में चुनाव जीतते हैं, तो वे चुनाव आयोग पर सवाल नहीं उठाते, लेकिन जब भाजपा पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश में जीतती है तो चुनाव आयोग और ईवीएम को दोष देते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी हार से सीखने का प्रयास करिए। हताशा में संवैधानिक संगठनों पर सवाल उठाकर आप अपने ऊपर सवाल उठा रहे हैं। देश की जनता ने आपको जो वोट की चोट दी है, उसका दर्द आपको है। इस चोट के दर्द का अहसास करते हुए कुछ नई चीजें सीखिए। अगर नहीं सीखेंगे तो जनता आने वाले समय में ऐसी ही चोट देती रहेगी।

उन्होंने पश्चिम बंगाल दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि मैं पश्चिम बंगाल के दो दिन के दौरे पर हूं। जिस तरह से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने के लिए काम किया है, उसके लिए मैं आज मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। मात्र पांच महीने के कम समय में कई संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाने का काम किया गया है।

जशपुर के बेटे अनिमेष कुजूर से छत्तीसगढ़ और भारत की उम्मीदें

अंबिकापुर/जशपुर ■ आभाष गुप्ता

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की मिट्टी में जन्मे और पले-बढ़े युवा एथलीट अनिमेष कुजूर एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 4×100 मीटर रिले के फाइनल में देश के लिए पदक की उम्मीद बने हुए हैं। फाइनल मुकाबला आज शाम 5:18 बजे आयोजित होगा।

सेमी-फाइनल के दौरान ट्रैक पर दौड़ते समय अनिमेष चोटिल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और शानदार जज्बे के साथ फाइनल तक पहुंचने की राह बनाई। अब पूरे छत्तीसगढ़ की निगाहें जशपुर के इस युवा खिलाड़ी पर टिकी हैं।

अनिमेष कुजूर के पिता अमृत कुजूर छत्तीसगढ़ पुलिस में डीएसपी के पद पर पदस्थ हैं। अनिमेष की उपलब्धि न केवल उनके परिवार और जशपुर जिले के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है।

एथलेटिक्स की 4×100 मीटर रिले स्पर्धा के फाइनल से पहले छत्तीसगढ़वासियों की ओर से

अनिमेष के जल्द स्वस्थ होने और पूरी तरह फिट होकर ट्रैक पर उतरने की कामना की जा रही है। प्रदेशवासियों ने उनके लिए प्रार्थना करते हुए उम्मीद जताई है कि अनिमेष अपनी चोट को पीछे छोड़कर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करेंगे और भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर देश तथा छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

जशपुर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे अनिमेष के संघर्ष और जज्बे ने प्रदेश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का संदेश दिया है। अब हर किसी की यही कामना है कि आज शाम 5:18 बजे जब अनिमेष ट्रैक पर उतरें, तो वे पूरी तरह स्वस्थ और आत्मविश्वास से भरे हों।

ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ का दावा, 'होर्मुज पर हमारा पूरा नियंत्रण'

एजेंसी ■ काठमांडू

नई दिल्ली। ईरान ने फिर दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट पर उनका पूरा अधिकार है और किसी की टिप्पणी से इसके स्टेट्स पर असर पड़ने वाला नहीं है। ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल हबीबोल्लाह सय्यारी ने कहा कि 'दुश्मन की बयानबाजी' के बावजूद जलडमरूमध्य ईरान के पूर्ण नियंत्रण में है। सय्यारी ने कहा, 'हम ओमान सागर के उत्तरी हिस्से और होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से में निर्णायक कार्रवाई करते हैं और किसी को भी वहां से गुजरने की अनुमति नहीं देते। उन्होंने कहा, ' होर्मुज के पश्चिमी हिस्से,स्ट्रेट और फारस की खाड़ी पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना का नियंत्रण है। वहीं, स्ट्रेट के पूर्वी हिस्से और उत्तरी हिंद महासागर की जिम्मेदारी ईरानी नौसेना के पास है। सय्यारी का यह बयान ऐसे समय आया है जब होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव जारी है। ईरान ने अमेरिका के सैन्य दबाव को कम करने और अपने बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी हटाने की स्थिति में सात दिनों के भीतर स्ट्रेट को फिर से खोलने की पेशकश की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। हालांकि, ट्रंप ने कहा है कि आने वाले दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत हो सकती है। दूसरी ओर, ईरान के सरकारी मीडिया आईआरएनए ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क पहुंचा ईरानी प्रतिनिधिमंडल फिलहाल अमेरिका के साथ किसी नई बातचीत की योजना नहीं बना रहा है।

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका जाएंगे पीयूष गोयल, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भी होगी चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 29 सितंबर से 5 अक्टूबर तक अमेरिका के एक सप्ताह के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के साथ-साथ कई द्विपक्षीय बैठकों और व्यापारिक संवादों में शामिल होंगे। मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करना है।

पीयूष गोयल 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वौकी में आयोजित होने वाली जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। यह बैठक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है, जिसमें जी20 देशों के व्यापार मंत्री वैश्विक व्यापार से जुड़े प्रमुख मुद्दों और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के भविष्य पर चर्चा करेंगे।

बैठक के दौरान भारत नियम-आधारित, खुली, समावेशी, पारदर्शी, न्यायसंगत और भेदभावरहित वैश्विक व्यापार व्यवस्था की वकालत करेगा, जिसमें विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की केंद्रीय भूमिका बनी रहे। भारत विकासशील देशों के लिए पर्याप्त नीतिगत लचीलापन बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर देगा और अन्य जी20 देशों के साथ रचनात्मक संवाद करेगा।

जी20 बैठक के इतर पीयूष गोयल कई देशों के अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इन चर्चाओं का फोकस किसानों, मछुआरों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य व्यवसायों के लिए नए व्यापारिक अवसर सृजित करने पर रहेगा।

दौरे का एक प्रमुख आकर्षण भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर होने वाली बातचीत होगी। गोयल अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के साथ बैठक कर दोनों देशों के बीच संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते की दिशा में जारी वार्ताओं को आगे बढ़ाएंगे। दोनों देश 7 फरवरी 2026 को जारी संयुक्त बयान के अनुरूप एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में भी काम करेंगे। माना जा रहा है कि यह वार्ता भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को और नई गति दे सकती है।

आधिकारिक कार्यक्रमों के अलावा, वाणिज्य मंत्री मिल्वौकी और शिकागो में विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं, कृषि व्यवसाय, रिटेल और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

तीर तेवर — सागर कुमार

रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं नवाचारी विचार: राज्यपाल

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव' का शुभारंभ

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि यदि युवाओं के नवाचार को उचित मार्गदर्शन, पूंजी और संस्थागत सहयोग मिले तो उनके विचार रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। डेका ने कहा कि वास्तविक आत्मनिर्भरता तभी संभव है जब नवाचार और उद्यमिता के अवसर राज्य के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचें। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी बहुल बस्तर तथा सरगुजा और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से उभरते नवाचारों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नवाचार एवं उद्यमिता विकास की सबसे ज्यादा संभावनाएं कृषि आधारित उद्योगों में है, इनसे किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक लाभ मिलेगा। राज्यपाल डेका आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि मंडपम में 28 से 30 सितम्बर तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के सहयोग से आयोजित 'छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। डेका ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं एकमात्र बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर-केंद्रित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ भी किया। यह केंद्र प्रदेश में बायोटेक्नोलॉजी आधारित अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्टार्टअप विकास एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थागत आधार के रूप में कार्य करेगा। डेका ने इन्क्यूबेशन सेंटर में निर्मित अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं सुविधाओं का अवलोकन भी किया।

राज्यपाल डेका ने यूथ कॉन्क्लेव के दौरान युवा नेतृत्व वाले उद्यमों और संस्थागत नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली 'नवाचार एवं स्टार्टअप प्रदर्शनी' का शुभारंभ भी किया। उन्होंने प्रदर्शनी में 24 से अधिक स्टार्टअप्स द्वारा प्रदर्शित नवाचार, तकनीक और समाधानों का अवलोकन करते हुए युवा उद्यमियों, से उनसे स्टार्टअप के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनका उत्साहवर्धन किया। यूथ कॉन्क्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य भागों से 1200 से अधिक युवा छात्र, नवाचारी उद्यमि एवं स्टार्टअप स्थापित करने के आकांक्षी युवा शामिल हुए हैं। इस अवसर पर विधायक धरसींवा अनुज शर्मा, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी एवं नाबार्ड छत्तीसगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक डी. के गावली भी उपस्थित थे।

यूथ कॉन्क्लेव 2026 में शामिल युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने कहा कि वे शुरुआती असफलताओं से निराश न हो।

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे' का शानदार आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तहत कृष्णा के विकास इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च ने 'वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे' बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष की मुख्य थीम 'हेल्दी फ्यूचर के लिए फार्मासिस्ट को मज़बूत बनाना' थी, जबकि फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया की सब-थीम 'स्वस्थ भारत: एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस का मुकाबला करना' रही। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद एक कीनोट थीम एड्रेस हुआ और स्कूल ऑफ़ फार्मेसी के हेड डॉ. संदीप कुमार सोनकर ने फार्मासिस्ट डे की ऑफिशियल शपथ दिलाई।

समारोह के दौरान जाने-माने स्पीकर्स ने अपनी दूरदर्शी सोच साझा की। रजिस्ट्रार डॉ. रितेश देवांगन ने बताया कि कैसे पाइथन प्रोग्रामिंग और मशीन लर्निंग भविष्य के फार्मासिस्ट को तकनीकी रूप से मज़बूत बनाएंगे। IQAC की डायरेक्टर डॉ. सीमा अग्रवाल ने प्रोफेशनल ईमानदारी और इंटीग्रिटी पर ज़ोर दिया। वहीं, माननीय वाइस चांसलर प्रो. वाई. नरसिम्हुलु ने स्टूडेंट्स को प्रेरित किया कि वे मॉडर्न मेंटल हेल्थ की मुश्किलों से निपटने के लिए वेलनेस कोच और एंटरप्रेन्योर के तौर पर अपनी भूमिका निभाएं।

इस सेलिब्रेशन में खुशी से केक काटा गया और संस्थान के लिए कुछ गर्व के पल भी सामने आए। स्पोर्ट्स में कामयाबी के लिए सौम्या गिरी गोस्वामी को और नेशनल GPAT एग्जाम पास करने के लिए टेमन साहू को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, स्टूडेंट्स ने अलग-अलग तरह के इवेंट्स में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया—जिसमें लीफलेट बनाना, साइंटिफिक पोस्टर प्रेजेंटेशन, क्विज़, साइंस-टून से लेकर रील बनाना, एक शानदार नुक्कड़ नाटक और ब्लड डोनेशन कैंप जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं।

प्रोग्राम का अंत एकेडमिक हेड सरस्वती प्रसाद मिश्रा के एक प्रेरणा देने वाले वोट ऑफ़ थैंक्स के साथ हुआ। उन्होंने दर्शकों को याद दिलाया कि कैसे फार्मासिस्टों ने छह साल पहले COVID-19 महामारी के दौरान फ्रंटलाइन पर खड़े होकर दुनिया को बड़ी ताकत से बचाया था।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है सरकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाढ़ से प्रभावित शबरीनगर, श्रीनगर, लाइनपारा सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने राहत एवं स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं एवं आवश्यकताएं जानीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के

साथ उनके साथ खड़ी है। बाढ़ से जिन परिवारों के मकान, घरेलू सामान अथवा अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उन्हें नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के साथ राहत और पुनर्वास के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने शबरीनगर में स्थापित राहत एवं स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री राहत शिविर में रह रहे प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और उन्हें स्वयं भोजन परोसकर आत्मीयता के साथ उनका हालचाल जाना।

मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित परिवार के घर भी पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर बाढ़ के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों और हुए नुकसान की जानकारी ली तथा उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की कठिनाइयों को समझते हुए सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 23 एवं 24 सितंबर को हुई अतिवृष्टि से सुकमा जिले के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति निर्मित हुई थी। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के साथ स्वास्थ्य शिविर संचालित किए जा रहे हैं।

प्रदेशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन : मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

रायपुर में निकाला पैदल मार्च, पीएम और ज्ञानेश कुमार का फूंका पुतला

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में SIR के मुद्दे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को राजधानी समेत प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। रायपुर में पैदल मार्च निकालकर मुख्य चुनाव आयुक्त और प्रधानमंत्री मोदी का पुतला दहन किया। राजीव गांधी की प्रतिमा से कलेक्ट्रेट परिसर तक निकाले गए इस मार्च में प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत समेत विधायक, पूर्व मंत्री और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

कांग्रेस की ओर से मुख्य

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और FIR दर्ज करने की मांग की गई है। यह प्रदर्शन कांग्रेस के देशव्यापी विरोध कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसमें पार्टी SIR और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है।

घड़ी चौक पर पुलिस ने रोका मार्च

पैदल मार्च जब घड़ी चौक के पास पहुंचा तो पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस बल के बीच झूमाझटकी की स्थिति भी बनी। मौके पर पुलिस बल तैनात है और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

पीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया।कांग्रेस का कहना है कि SIR और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर वह अपना विरोध जारी रखे है।

बालिका छात्रावासों में विधिक जागरूकता शिविर, छात्राओं को पॉक्सो और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

विश्व केसरी■

रायपुर। बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सूरजपुर के दो पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावासों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शासकीय आदर्श आदिवासी पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास और शासकीय अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास में आयोजित शिविरों में छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, साइबर सुरक्षा और नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई।

शिविरों का आयोजन प्रधान

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के अध्यक्ष श्री थॉमस एक्का के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण की सचिव सुश्री पायल टोपनो के नेतृत्व में किया गया। व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अंजली पाण्डेय ने छात्राओं को सरल भाषा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों और पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा के बारे में बताया। उन्होंने पॉक्सो प्रकरणों की गंभीरता और फास्ट ट्रैक कोर्ट की भूमिका समझाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के शोषण या अपराध की स्थिति में छात्राएं चुप न रहें और समय पर सहायता लें।

पाण्डेय ने सोशल मीडिया और एआई के सुरक्षित उपयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने फर्जी लिंक, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल ब्लैकमेलिंग जैसे साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। इसके साथ ही यातायात नियमों, मोटर वाहन संबंधी वैध दस्तावेजों तथा सड़क दुर्घटना के बाद विधिक सहायता और मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी दी गई। छात्राओं को नालसा की शिक्षा एवं पीड़ित सहायता योजनाओं और नि:शुल्क विधिक सहायता के टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में भी बताया गया।

संवाद सत्र में छात्राओं और छात्रावास अधीक्षिकाओं ने पॉक्सो, साइबर अपराध, सोशल मीडिया तथा विधिक सहायता से जुड़े प्रश्न पूछे। पाण्डेय ने उनके उत्तर देकर जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षिका सुश्री पूजा गुप्ता, श्रीमती अनातासिया एक्का तथा पैरा लीगल वालंटियर श्री सत्य नारायण और श्री उमेश कुमार रजवाड़े उपस्थित थे।

नशामुक्ति संदेश के साथ चौथे दिन भी जारी रही पदयात्रा

विश्व केसरी■

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवा संकल्प, नशामुक्त समाज और जनजागरण के संदेश को लेकर रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में पदयात्रा के चौथे दिन भी अभियान जारी रहा। पदयात्रा की शुरुआत शारदा चौक से हुई, जहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद तात्यापारा चौक में खूबचंद बघेल और नवीन मार्केट में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए।

पदयात्रा के दौरान विधायक मिश्रा ने दुकानदारों, व्यापारियों और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से लाभ लेने की अपील की। विधायक ने लोगों से नशे से दूर रहने और युवाओं को शिक्षा, रोजगार, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। रामसागर पारा स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राठौर चौक और गुरुनानक चौक में भी जनसंवाद किया गया। शासकीय निवेदिता अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में चौथे दिन की पदयात्रा का समापन हुआ। अभियान में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, शिक्षक-छात्रों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

पारस इंश्योरेंस सेल्यूशन ने मनाया 8वां स्थापना दिवस, बिजनेस पार्टनर्स हुए सम्मानित

विश्व केसरी■

रायपुर। Parash Insurance Solution ने अपने सफलतापूर्वक 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भव्य 8th Anniversary Celebration का आयोजन किया। समारोह में सामाजिक, व्यावसायिक एवं संस्थागत क्षेत्र से जुड़े गणमान्य अतिथियों, बिजनेस पार्टनर्स, टीम सदस्यों एवं सम्मानित ग्राहकों ने सहभागिता कर संस्था की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का उत्सव मनाया। कार्यक्रम में 36 Griya Vanijya के प्रदेश अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष ललित जी, जिला प्रतिनिधि लक्ष्मण जी सहित अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं JCOM की Zone Chairperson रीना मैम एवं Incharge मोना मैम सहित विक्रम जी, रवि परयानी जी, सूरज जी, अमीषा मैम, अंजली मैम,

सुरभि गुरु मैम एवं नवीन जी ने अपनी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाई।

JCI Raipur Capital के President सूरज अग्रवाल सर एवं उनकी टीम ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। व्यवसायिक क्षेत्र से विनय चंद्राकर जी, दिलीप मिश्रा जी एवं सुधीर तिवारी जी सहित अन्य बिजनेस पार्टनर्स विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सामाजिक एवं खेल क्षेत्र से Shiksha Premier League (SPL) एवं SPL Sahid Taru Singh Foundation से जुड़े काले वीर जी सहित टीम के सदस्यों एवं सहयोगियों ने भी समारोह में सहभागिता की।

बिजनेस पार्टनर्स का सम्मान

समारोह का विशेष आकर्षण Award Ceremony रहा, जिसमें Parash Insurance Solution के साथ निरंतर सहयोग एवं सहभागिता के लिए बिजनेस पार्टनर्स देवेंद्र पांडे जी एवं करण साहू जी को सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से उनके योगदान एवं विश्वास के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

एनआईटी रायपुर में कबाड़ से जुगाड़, संगीत और संवाद के जरिए जागरूकता का संदेश

विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर ने 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, सतत विकास, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया। इस क्रम में एनआईटी रायपुर की 'गो ग्रीन - द इको सोशल कमेटी' द्वारा 'स्वच्छता से समृद्धि मिशन' के तहत रविवार को 'कबाड़ से जुगाड़ 2026' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कबाड़, स्क्रैप, ई-कचरा, प्लास्टिक, कागज और गत्ते जैसी अनुपयोगी सामग्रियों के पुन: उपयोग के माध्यम से उपयोगी, कलात्मक और नवाचारी वस्तुएं तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभागियों की प्रविष्टियों का मूल्यांकन गो ग्रीन

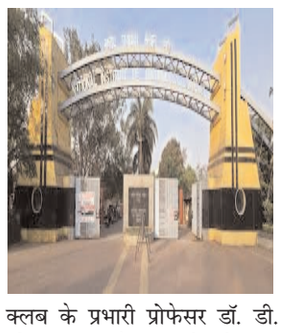

क्लब के प्रभारी प्रोफेसर डॉ. डी. सी. झारिया और डॉ. जी. पी. गुप्ता ने किया। प्रतियोगिता में शीर्ष तीन प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र दिए गए।

इसी क्रम में संस्थान के रागा क्लब द्वारा रविवार को रायपुर के कोटेश्वर नगर में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की थीम 'स्वच्छता में सहभाग - स्वच्छ भारत, विकसित भारत' रही। कार्यक्रम का समन्वय रागा क्लब की फैकल्टी इंचार्ज डॉ. मृदु साहू और 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के नोडल अधिकारी डॉ. तीरथ प्रकाश साहू ने किया। रागा - द म्यूजिकल क्लब की संगीत प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, कचरे के उचित निपटान और पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों तथा स्थानीय समुदाय को जागरूक किया गया। देशभक्ति एवं स्वच्छता पर आधारित गीतों के माध्यम से सामूहिक जिम्मेदारी तथा स्वच्छ और हरित समाज का संदेश दिया गया।

इसके अलावा, एनआईटी रायपुर की राजभाषा समिति द्वारा 28 सितंबर को 'स्वच्छता एवं जल संचय संवाद' प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का मार्गदर्शन राजभाषा समिति के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. संजय कुमार, डॉ. शारदा नंदन राव और डॉ. विकास कुमार विद्यार्थी ने किया।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी करपावंड जिला बस्तर छ.ग.

उदघोषणा

रा.प्र.क्र. 2627/ब-121 /206

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्जुन पिता सुंकचद जाति भतरा ग्राम तोंगकोकेरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वंय अथवा अपने दादी स्व. कोटली निवासी ग्राम तोंगकोकेरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. का प्रमाण पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक / आवेदिका के दादी स्व. कोदली पति सोमारू ग्राम तोंगकोकेरा का दिनांक 07/08/2019 को मृत्यु हुई है। आवेदक अर्जुन पिता सुकचंद जाति भतरा ग्राम तोंगकोकेरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के दादी कोंदली जन्म प्रमाण पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 15/10/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 01/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड , जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी करपावंड जिला बस्तर छ.ग.

उदघोषणा

रा.प्र. क्र. 2609ब-121 / 2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री/श्रीमती उदेनाथ बेसरा पिता स्व. सोनाधर बेसरा जाति भतरा निवासी ग्राम कोलवल तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. द्वारा आवेदक स्वयं अथवा अपने रिश्तेदार स्व. सोनाधर निवासी ग्राम कोलावल तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक /आवेदिका के रिश्तेदार स्व. सोनाधर बेसरा पिता स्व. सामनाथ ग्राम कोलावल का दिनांक 05/12/2012 को मृत्यु हुई है। आवेदक उदेनाथ बेसरा पिता सोनाधर जाति भतरा निवासी तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. आवेदक स्वयं अथवा आवेदक के रिश्तेदार स्व. सोनाधर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 15/09/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी ।

आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड , जिला बस्तर

पिथौरा में आवारा पशुओं का आतंक, देर रात कार्य से लौटने वाले कर्मचारियों के लिए चुनौती

विश्व केसरी■

पिथौरा (परमीत सिंह माटा)। दहशत के साए में हैं। नगर के रिहायशी गलियों तक सैकड़ों की तादाद में आवारा कुत्ते झुंड बनाकर घूमते नजर आ रहे हैं। दिन-ब-दिन बढ़ती इनकी तादाद के चलते अब जान-माल के भारी नुकसान का अंदेशा गहराने लगा है,जिससे स्थानीय नागरिकों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश पनप रहा है।

नगर का बस स्टैंड, मुख्य बाजार, पुराना अस्पताल मार्ग, वार्ड क्रमांक 12 गार्डन के पास और विभिन्न आवासीय कॉलोनियों में श्वानों की बढ़ती संख्या ने लोगों की आवाजाही को जोखिम भरा बना दिया है। हालत यह है कि किसी भी गली या चौराहे से गुजरते समय कुत्तों के 8 से 10 के झुंड राहगीरों पर भौकते है कभी कभी उग्र हो जाते है।

सबसे अधिक खतरा बाइक और स्कूटी चालकों के लिए बना हुआ है। वाहन गुजरते ही कुत्तों का झुंड अचानक उनके पीछे दौड़ पड़ता है। हड़बड़ाहट और घबराहट में कई चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं,

स्कूली बच्चों और बुजुर्गों में दहशत: सुबह स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों और टहलने निकलने वाले बुजुर्गों का सड़कों पर निकलना दहशत भरा हो गया है। शाम ढलते ही आवारा स्वान झुण्ड विकराल हो जाते है। गलियों मे सड़को पर स्वनो का झुण्ड आक्रमक हो जाता है जिसके कारण रात में सुनसान सड़कों पर निकलना किसी खतरे से खाली नहीं रह गया है।

अस्पताल के आसपास बढ़ता जमावड़ा: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और कचरा डंपिंग स्थलों के आसपास कुत्तों का सबसे ज्यादा जमावड़ा रहता है। रेबीज के टीके के लिए आने वाले मरीजों के सामने ही कुत्तों का झुंड मौजूद रहना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है।

कचरे के ढेर और अव्यवस्थित मांस-मछली बाजार से बढ़ रही आक्रामकता

शहर के विभिन्न वार्डों में जगह-जगह खुले में पड़े कचरे के ढेर और मांस-मछली मार्केट के आसपास फेंके जाने वाले अवशेषों के कारण ये श्वान बेहद हिंसक और आक्रामक हो रहे हैं। भोजन की तलाश में आपस में लड़ने के दौरान ये अचानक आम जनता पर हमलावर हो जाते हैं।

स्थानीय नागरिकों की मांग

नगरवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया है,

यदि समय रहते स्थानीय प्रशासन ने इस गंभीर समस्या पर लगाम नहीं लगाई, तो कभी भी किसी मासूम या राहगीर के साथ कोई बड़ी अनहोनी घट सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी बिरजू राम सोनबेर ने बताया की श्वानों को टीकाकरण के लिए वेटरनरी विभाग के साथ नगर पालिका की टीम नियुक्त किया गया है 46 स्वनो पर एंटी एबीज टीकाकरण किया जा चूका है, आगे भी जारी रहेगा हार्दिक संभव प्रयास किया जायेगा।

विधायक रोहित साहू की मौजूदगी में राजिम में रक्तदान शिविर

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजिम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक रोहित साहू सहित जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव, जीवन दीप समिति सदस्य चंद्रशेखर साहू, छाया राही, सोमनाथ पटेल,सहित पार्षदगण आकाश राजपूत तुषार कदम, सुरेश पटेल, भारत यादव, उत्तम निषाद, बलराम यादव, देवकी साहू, एल्डरमेन मधु नत्थानी उपस्थित रहे।

शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव सहित पार्षदों ने स्वयं रक्तदान कर आम नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। जनप्रतिनिधियों की इस पहल से युवाओं एवं नागरिकों में भी रक्तदान के प्रति उत्साह देखने को मिला।

विधायक रोहित साहू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवा एवं जनहित के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। प्रधानमंत्री जी के सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना से प्रेरणा लेकर हम सभी को समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए।उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। रक्तदान जैसे सेवा कार्यों के माध्यम से हम मानवता की सेवा कर सकते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य टीम द्वारा रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं अन्य प्रक्रियाएं पूरी कर रक्त संग्रह किया गया।

छत्तीसगढ़ उत्कल ब्राह्मण समाज इकाई पिथौरा जोन सलडीह का सामान्य समीक्षा बैठक हुई

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। उत्कल ब्राह्मण समाज पिथौरा द्वारा विकासखंड पिथौरा के वृहद भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, सदस्यों की सुविधा की दृष्टिकोण से पिथौरा को तीन जोनों में विभक्त किया गया है। 27 सितंबर 2026 दिन रविवार को जोन सलडीह के 61 सदस्यों का सामान्य समीक्षा बैठक संपन्न किया गया। बैठक विकासखंड अध्यक्ष यु के दास की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ। बैठक में जिला से वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं विकासखंड पिथौरा के संरक्षण पीसी त्रिपाठी, जिला के सलाहकार मंडल के सदस्य व विकास खंड के संरक्षक पी एल मिश्रा,

विकासखंड पिथौरा के पूर्व अध्यक्ष पीसी सामंतराय, विकासखंड के सलाहकार रामचंद्र मिश्रा, विकासखंड प्रवक्ता संकर्षण पंडा विकासखंड के सचिव अरुण कुमार देवता व अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के सचिव मिनीकेतन दास पिथौरा के सक्रिय युवा साथी प्रदीप होता सलडीह के वरिष्ठ सदस्य उग्रसेन दास संतोष पंडा द्वारा विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए बैठक सम्पन्न कराया गया। बैठक मे 23 अगस्त 2026 को जिला पिथौरा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकारिणी समीक्षा बैठक में समाज के लिए तय किए गए 10 बिंन्दु के नियमावली पर विस्तृत रूप से चर्चा परिचर्चा किया गया। एवं नियमावली का परिवार व समाज हित - अहित मे उपादेयता पर समाज जनो ने अपनी- अपनी राय दी। बैठक के दौरान भगतदेवरी से धरणीधर कर, कटंगतराई से खगेश्वर मिश्रा व अरुण कुमार कर ने समाज की पारिवारिक प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया। आगे विकास खंड स्तर पर विभिन्न मुद्दे जो विकास खंड इकाई के लिए महत्वपूर्ण है। उन मुद्दों पर भी बृहद रूप से गंभीरता पूर्वक सदस्यों द्वारा चर्चा किया गया। विभिन्न मुद्दे जिन पर चर्चा हुआ उसमें महत्वपूर्ण है समाज के सदस्यों को प्रांताध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष व ब्लॉक सचिव के हस्ताक्षर से आजीवन सदस्यता का प्रणाम पत्र वितरित करना, उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन लिया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट से स्लम क्षेत्रों में पहुंच रही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा

विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शहरी क्षेत्रों की बस्तियों और स्लम इलाकों में रहने वाले लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित अथवा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को उनके घर के नजदीक ही निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से शहर के अलग-अलग वार्डों एवं स्लम क्षेत्रों में नियमित रूप

से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में पहुंचने वाले लोगों की स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाती हैं। योजना शुरू होने के बाद अब तक लगभग 2 लाख लोगों द्वारा इसका लाभ लिया जा चुका है, जो इस पहल की उपयोगिता और लोगों के बीच इसकी स्वीकार्यता को दर्शाता है।

गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बनी सहारा

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सामने बीमारी के समय इलाज और जांच का खर्च एक बड़ी चुनौती बन जाता है। कई बार सामान्य बीमारी में भी जांच, डॉक्टर की फीस और दवाइयों पर होने वाला खर्च उनके घरेलू बजट को प्रभावित करता है। वहीं स्लम और बस्तियों में रहने वाले कई लोगों के लिए अस्पताल तक पहुंचना भी आसान नहीं होता। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें उनके निवास क्षेत्र के आसपास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

पावरलिफ्टिंग में इंटरनेशनल चैंपियन बने प्रेमराजन रौतिया

विश्व केसरी■

पिथौरा (परमीत सिंह माटा)। कहते है 'मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है'— इस कहावत को महासमुंद जिले के पिथौरा के होनहार पावरलिफ्टर प्रेमराजन रौतिया ने चरितार्थ कर दिखाया है। शरीर की 11 हड्डियां टूटने के असहनीय दर्द और खेल करियर खत्म कर देने वाली गंभीर चोटों से उबरकर प्रेमराजन आज अंतरराष्ट्रीय पटल पर देश का मान बढ़ा रहे हैं। नेपाल में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब उनका चयन संयुक्त भारतीय खेल फाउंडेशन (SBKF) द्वारा आयोजित 'एसबीकेएफ इंटरनेशनल गेम्स 2026' के लिए हुआ है। वे आगामी 25 से 30

अक्टूबर तक थाईलैंड के पटाया शहर में आयोजित होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 105 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बचपन का सपना और संघर्ष

तब एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रेमराजन के पिता अब वन विभाग में एसडीओ के पद पर पदस्थ हैं और माता गृहिणी हैं। उनके छोटे भाई और बहन वर्तमान में अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। बचपन से ही खेलों में असाधारण रुचि रखने वाले प्रेमराजन की प्रतिभा को देखते हुए उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) की वेटलिफ्टिंग अकादमी में हुआ था, जहां से उनके पेशेवर खेल सफर की शुरुआत हुई। जिसके बाद उन्होंने एक के बाद एक निशनल अवार्ड अपने नाम किये उनका विनिंग फ्लो यही नही रुका 2025 मे नेपाल के पोखरा मे 170 किलोग्राम वजन उठा कर इंटरनेशनल अवार्ड भी अपने नाम किया।

ढोढरकसा हाई स्कूल में शिक्षकों की कमी, 30 सितंबर को एनएच-53 चक्काजाम की चेतावनी

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। विकासखंड पिथौरा के ग्राम पंचायत ढोढरकसा स्थित शासकीय हाई स्कूल में शिक्षकों की कमी का मामला गंभीर होता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में 09 शिक्षक पद स्वीकृत हैं। किन्तु वर्तमान में महज एक शिक्षक के भरोसे स्कूल संचालित हो रहा है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों और पालकों ने 18 सितंबर को स्कूल में तालाबंदी भी की थी।

ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले 10 सितंबर को एसडीएम पिथौरा के माध्यम से

कलेक्टर महासमुंद को ज्ञापन सौंपकर सात दिनों के अंदर शिक्षकों की व्यवस्था की मांग की गई थी। निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर तालाबंदी की गई। किन्तु इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने का आरोप है।

अब ग्रामीणों ने एसडीएम पिथौरा, जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद और थाना प्रभारी सांकरा को ज्ञापन सौंपकर 30 सितंबर को देवरी के पास ह्न।-53 पर चक्काजाम करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2021 में भी विद्यालय में शिक्षकों की कमी शुरू हो गई थी। एक शिक्षक को अन्य विद्यालय में अटैच किए जाने तथा एक शिक्षक के लंबे अवकाश पर होने से स्थिति और बिगड़ी। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षकों की कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

अब ग्रामीण शिक्षा विभाग से सवाल कर रहे हैं कि 09 स्वीकृत पदों के बावजूद विद्यालय एक शिक्षक के भरोसे क्यों है ? और 30 सितंबर से पहले पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था होगी या नहीं ?

संवर्धन की जिम्मेदारी हमारी : डॉ. योगेश तारक

नवापारा राजिम - (शेखर मिश्रा)। सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय में स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शोभा गावरी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उप प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा तथा मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. योगेश तारक सहा.प्रा. शास.राजीवलोचन महाविद्यालय राजिम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. सी. एल. साहू, डॉ. सुषमा शर्मा, प्रो. चंद्रहास साहू एवं प्रो. हेमचंद साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

बाढ़ का पानी उतरा, पीछे छोड़ गया बर्बादी के निशान

सालासर समिति ने 60 परिवारों के लिए भोजन सामग्री और 13 घरों में किराना पहुंचाया

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। बाढ़ की विभीषिका ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं। घरों में पानी घुसने से अनाज, किराना, बिस्तर, पलंग, टीवी, सोफा, फ्रिज, कूलर, जरूरी दस्तावेज और दवाइयां तक बर्बाद हो गईं। बाढ़ का पानी उतर गया है, लेकिन पीड़ित परिवार अब कीचड़ और गंदगी के बीच अपने घरों को फिर से संवारने में जुटे हैं।

पीड़ित मोहल्लों की स्थिति देखकर श्री सालासर सुंदरकांड हनुमान चालीसा जनकल्याण समिति ने जनसहयोग से राहत कार्य शुरू किया है। वार्ड क्रमांक 16 में करीब 50 से 60 परिवारों के लिए भोजन सामग्री पहुंचाई गई, जिसे मोहल्ले के रंगमंच में सामूहिक रूप से तैयार किया जा रहा है। वहीं 13 परिवारों को चार से पांच दिन का किराना सामान उपलब्ध कराया

गया है।

समिति के संस्थापक राजू काबरा ने कहा कि बाढ़ में नष्ट सामान वापस लाना संभव नहीं है, लेकिन जरूरतमंद परिवारों तक भोजन और जरूरी सामग्री पहुंचाकर कुछ राहत जरूर दी जा सकती है। उन्होंने सहयोग करने वाले लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि समिति केवल एक माध्यम है, वास्तविक ताकत उन पुण्यात्माओं की है जो मानवता की सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। 'बाढ़ पीड़ितों की मदद करना ही इस समय इंसान होने का सबसे बड़ा फर्ज है।

रोगों के नियंत्रण की रणनीतियों पर राज्यों ने साझा किए अनुभव

विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत GFATM राज्यों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक (IMEP-3) का आयोजन 28 से 30 सितंबर 2026 तक छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। बैठक में GFATM के अंतर्गत शामिल विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर के विशेषज्ञ, WHO के प्रतिनिधि तथा कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य राज्यों में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण गतिविधियों की समीक्षा के साथ विभिन्न राज्यों की प्रभावी कार्यप्रणालियों, मैदानी अनुभवों और नवाचारों को साझा करना है, ताकि मलेरिया सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। स्वास्थ्य सेवाओं के आयुक्त-सह-संचालक संजीव कुमार झा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में मलेरिया के मामलों में वृद्धि स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने मलेरिया नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

और पिछले दस वर्षों में राज्य में

संपादकीय

चमत्कारों के बाजार में वैज्ञानिक चेतना की तलाश

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की शक्ति उसकी आस्था में ही नहीं, उसकी ज्ञान-परंपरा में भी रही है। समस्या पूजा, प्रार्थना या धार्मिक विश्वास में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब चमत्कार को प्रमाण और अंधविश्वास को विवेक का विकल्प बना दिया जाता है। ज्योतिष, हस्तरेखा, भविष्यवाणी, तंत्र-मंत्र अथवा चमत्कारों के दावों के पीछे समाज की असुरक्षा और अनिश्चितता भी काम करती है। ऐसे समय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ धर्म-विरोध नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने और प्रमाण खोजने की आदत विकसित करना है। बच्चों को केवल उत्तर याद कराने के बजाय सवाल करना सिखाना होगा। मंदिरों के साथ प्रयोगशालाएँ, आस्था के साथ विवेक और परंपरा के साथ वैज्ञानिक चेतना ही आधुनिक भारत की वास्तविक आवश्यकता है।

आज के भारत में एक दिलचस्प विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर देश अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल तकनीक, चिकित्सा, जैव-प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, दूसरी ओर समाज के अनेक हिस्सों में चमत्कार, भविष्यवाणी, ज्योतिष, हस्तरेखा, तंत्र-मंत्र और तथाकथित दैवीय शक्तियों के दावों का आकर्षण बना हुआ है। समय-समय पर नए धार्मिक स्थल, आध्यात्मिक केंद्र और लोकप्रिय संत चर्चा में आते हैं। कोई धाम श्रद्धा का केंद्र बनता है तो किसी कथावाचक या संत के अनुयायियों की संख्या तेजी से बढ़ती है। यह केवल धर्म का विषय नहीं, बल्कि समाज की मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक प्रवृत्तियों को समझने का विषय भी है।

व्यंग्य में कहा जा सकता है कि हमारे यहाँ समय-समय पर नए-नए 'भगवान' लोकप्रिय हो जाते हैं। लेकिन इस व्यंग्य के पीछे एक गंभीर सवाल छिपा है—आखिर लोगों को चमत्कारों और अलौकिक दावों में इतना आकर्षण क्यों दिखाई देता है?

मनुष्य स्वभाव से जिज्ञासु होने के साथ-साथ अनिश्चितताओं से भयभीत भी होता है। बीमारी, बेरोजगारी, विवाह, संतान, परीक्षा, नौकरी, आर्थिक संकट और भविष्य की चिंता उसे ऐसे उत्तरों की तलाश में ले जाती है जो तत्काल आश्वासन दे सकें। विज्ञान कई बार किसी समस्या का उत्तर खोजने में समय लेता है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति यदि कुछ मिनटों में भविष्य बताने, बीमारी का कारण समझाने या समस्या के समाधान का दावा कर दे, तो संकट में घिरा व्यक्ति उसकी ओर आकर्षित हो सकता है। यही वह मनोवैज्ञानिक जमीन है, जहाँ अंधविश्वास का बाजार तैयार होता है।

भारत में हाथ की रेखा देखकर भविष्य बताने वाले, विवाह और करियर की भविष्यवाणी करने वाले, ग्रह-दशा के आधार पर जीवन की दिशा तय करने वाले और चमत्कारों के दावे करने वाले अनेक लोग लोकप्रिय होते रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और व्यापक बना दिया है। पहले किसी दावे को सीमित क्षेत्र के लोग सुनते थे; अब एक वीडियो कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। दृश्य प्रभाव, भावनात्मक भाषा और व्यक्तिगत अनुभवों की कहानियाँ किसी दावे को प्रमाण जैसा बना सकती हैं, जबकि व्यक्तिगत अनुभव वैज्ञानिक प्रमाण के समान नहीं होता।

यहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जरूरत सामने आती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति पूजा न करे, मंदिर न जाए या अपनी धार्मिक मान्यताओं को छोड़ दे। आस्था निजी जीवन का विषय है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास का अधिकार है। लेकिन किसी प्राकृतिक घटना, बीमारी, उपचार या चमत्कार संबंधी दावे को केवल श्रद्धा के आधार पर सत्य मान लेना वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण कहता है—प्रश्न पूछिए, प्रमाण देखिए, परीक्षण कीजिए और यदि प्रमाण बदलें तो अपनी धारणा बदलने के लिए भी तैयार रहिए।

भारतीय ज्ञान-परंपरा स्वयं प्रश्न और जिज्ञासा से भरी रही है। आर्यभट से लेकर आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों तक हमारी परंपरा ने गणित, खगोल विज्ञान, भौतिकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी भारतीय वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ विश्वभर में अपनी क्षमता का परिचय दे रहे हैं। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि भारत वैज्ञानिक सोच से अपरिचित देश है। असली चुनौती यह है कि वैज्ञानिक चेतना समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितनी गहराई से पहुँच रही है।

दुनिया के तकनीकी विकास को देखें तो जीपीएस, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, यूट्यूब, फेसबुक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों के पीछे वर्षों का शोध, प्रयोग, निवेश और असफलताओं से सीखने की प्रक्रिया रही है। इनका निर्माण किसी चमत्कार के दावे से नहीं, बल्कि समस्या को पहचानने, सवाल पूछने, प्रयोग करने और समाधान विकसित करने से हुआ। भारत में भी ऐसी प्रतिभा मौजूद है। प्रश्न यह है कि हम उस प्रतिभा को किस दिशा में प्रेरित कर रहे हैं?

हमारे विद्यालयों की भूमिका यहाँ सबसे महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे को हर प्रश्न का उत्तर केवल परंपरा के हवाले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान के बेतूके सवालः भारत के सटीक जबाव

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की

स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्राथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो।

पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कोई दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निर्माताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बनने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव की नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो सबसे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी?

पितृ देवो भव का संस्कार : पितृश्राद्ध के पीछे का भाव

पार्थसारथि थपलियाल

भारतीय संस्कृति में मनुष्य को केवल अपने वर्तमान का प्राणी नहीं माना गया, बल्कि उसे अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक जीवंत कड़ी के रूप में देखा गया है। हमारे अस्तित्व में माता-पिता, पूर्वजों, गुरुजनों और समाज का योगदान निहित है। इसी कृतज्ञता-बोध को भारतीय जीवन-दृष्टि ने संस्कार का रूप दिया। 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव '-तैत्तिरीय उपनिषद् का यह निर्देश भारतीय संस्कृति में माता-पिता और गुरु के प्रति श्रद्धा का आधार है। यहाँ 'देव' का अर्थ किसी अलौकिक सत्ता से अधिक उस व्यक्ति के प्रति सर्वोच्च सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा से है, जिसने हमारे जीवन के निर्माण में अपना योगदान दिया है।

इसी भावभूमि में पितृश्राद्ध की परंपरा को समझना चाहिए। श्राद्ध शब्द 'श्रद्धा' से बना है। अर्थात् श्रद्धा और विश्वासपूर्वक किया जाने वाला कर्म। इसलिए श्राद्ध का मूल उद्देश्य केवल किसी निश्चित तिथि को कुछ कर्मकांड कर लेना नहीं, बल्कि उन पूर्वजों का स्मरण करना है जिनसे हमें जीवन, संस्कार, परिवार, परंपरा और सामाजिक पहचान प्राप्त हुई। यह मूलतः कृतज्ञता का संस्कार है।

भारतीय चिंतन में मनुष्य पर तीन प्रमुख ऋणों की अवधारणा मिलती है- देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण। पितृऋण का आशय है कि हमें जीवन देने वाले माता-पिता तथा पूर्वजों के प्रति हमारा एक नैतिक दायित्व है। इस ऋण को केवल धन या संपत्ति से नहीं चुकाया जा सकता। उनके प्रति सम्मान, उनके सद्गुणों का अनुसरण, परिवार और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह तथा आने वाली पीढ़ियों को संस्कार देना भी पितृऋण से मुक्ति का मार्ग माना गया है।

पितृश्राद्ध इसी पितृऋण की स्मृति को जीवित रखने वाली परंपरा है। श्राद्ध में तर्पण किया जाता है। 'तृप्' धातु से बने 'तर्पण' का सामान्य अर्थ है- तृप्त करना अथवा संतुष्ट करना। जल अर्पित करते हुए जब व्यक्ति अपने पितरों का स्मरण करता है, तो उसके भीतर यह भाव जागता है कि मैं अकेला नहीं हूँ; मेरे पीछे अनेक पीढ़ियों का जीवन, श्रम और अनुभव खड़ा है। यह अनुभूति व्यक्ति को अहंकार से मुक्त करती है और उसे अपनी जड़ों से जोड़ती है।

भारतीय परंपरा में पितरों का स्मरण केवल मृत्यु के बाद की किसी रहस्यमय धारणा तक सीमित नहीं है। यह स्मृति और उत्तरदायित्व का सामाजिक विधान भी है। जिस परिवार में अपने पूर्वजों का स्मरण होता है, वहाँ परिवार की परंपराओं, संघर्षों और मूल्यों की चर्चा भी जीवित रहती है। बच्चों को यह बताया जाता है कि उनके परिवार को बनाने में किन लोगों ने अपना जीवन लगाया। इस प्रकार श्राद्ध पीढ़ियों के बीच संवाद का सांस्कृतिक माध्यम बन जाता है।

पितृश्राद्ध का एक महत्वपूर्ण पक्ष दान और सेवा भी है। परंपरा में श्राद्ध के अवसर पर ब्राह्मण भोजन, अन्नदान, वस्त्रदान अथवा अन्य प्रकार के दान की व्यवस्था मिलती है। इसके पीछे एक व्यापक सामाजिक भाव देखा जा सकता है- अपने पूर्वजों की स्मृति को लोककल्याण से जोड़ना। आज के संदर्भ में भी श्राद्ध के अवसर पर जरूरतमंदों की सहायता, अन्नदान, गौसेवा, वृक्षारोपण या किसी उपयोगी सामाजिक कार्य को पूर्वजों की स्मृति में करना इस परंपरा के मूल कृतज्ञता-बोध को सार्थक रूप दे सकता है। श्राद्ध का मूल्य केवल बाहरी कर्मकांड में नहीं, उसके पीछे की भावना में है। यदि कोई व्यक्ति विधि-विधान तो करता है, लेकिन जीवित माता-पिता का सम्मान नहीं करता, परिवार के बुजुर्गों की उपेक्षा करता है और अपने कर्तव्यों से विमुख रहता है, तो श्राद्ध का मूल संदेश अधूरा रह जाता है। 'पितृ देवो भव' हमें यह भी सिखाता है कि मृत पूर्वजों का सम्मान करने के साथ-साथ जीवित माता-पिता और वृद्धजनों की सेवा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण करते हुए मनुष्य अपने जीवन की क्षणभंगुरता पर विचार करता है।

बोध कथा

मित्रता

उषा ने पति अनिल से कहा,कितनी देर तक समाचार पत्र पढ़ते रहोगे? यहाँ आओ और अपनी प्यारी बेटी को खाना खिलाओ। अनिल ने समाचार पत्र एक तरफ़ फेका और बेटी ईशा की और ध्यान दिया। बेटी की आंखों में आँसू थे और सामने खाने की प्लेट। ईशा एक अच्छी लड़की है और अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा समझदार. अनिल ने खाने की प्लेट को हाथ में लिया और ईशा से बोला,बेटी खाना क्यों नहीं खा रही हो?.आ जाओ मैं खिलाता हूँ . ईशा जिसे खाना नहीं भा रहा था। सुबक सुबक कर रोने लगी और कहने लगी,मैं पूरा खाना खा लूँगी पर एक वादा करना पड़ेगा आपको. वादा,अनिल ने बेटी को समझाते हुआ कहा,इस प्रकार कोई महँगी चीज खरीदने के लिए जिद नहीं करते. नहीं पापा,मैं कोई महँगी चीज के लिए जिद नहीं कर रही हूँ. फिर ईशा ने धीरे धीरे खाना पूर्ण किया और कहा,मैं अपने सभी बाल कटवाना चाहती हूँ. सभी प्रकारसे समाझाने पर भी ईशा नहीं मानी और अपना वचन निभाने हेतु ईशा की बात माननी ही पड़ी ।

अगले दिन अनिल ईशा को स्कूल छोड़ने गया.वहां उसने उसी के आयु का एक गंजा बालक देखा जिसकी और ईशा भागते गयी थ. उसी समय एक महिला ने अनिल से कहा,क्या ईशा आपकी बेटी है ? बहुत ही होनहार लड़की है . मेरा बेटा कैंसर से पीड़ित है और इलाज में उसके सारे बाल खत्म हो गए हैं. वह इस हालत में स्कूल नहीं आना चाहता था क्योंकि स्कूल में लड़के उसे चिढ़ाते हैं. पर ईशा ने कहा कि वह भी गंजी होकर स्कूल आयेगी और वह आ गई। इस कारण देखिये मेरा बेटा भी स्कूल आ गया. आप धन्य हैं कि आपके ऐसी बेटी है अनिल को यह सब सुनकर रोना आ गया और उसने मन ही मन सोचा कि आज बेटी ने सीखा दिया कि प्यार क्या होता है. इस पृथ्वी पर खुशहाल वह नहीं हैं जो अपनी शर्तों पर जीते हैं बल्कि खुशहाल वे हैं जो,जिन्हें वे प्यार करते हैं,उनके लिए बदल जाते हैं।

कविता

तुम्हारे जाने के बाद

रविकान्त राऊत

तुम चली गईं, तबभी
कमरा कहां खाली हुआ
तुम्हारी ग़ैरहाज़िरी बैठी रही
कुर्सी पर,
और खिड़की के पास,
तुम्हारी आवाज़ ठहरी रही।

आज सुबह अधजागी हालत में
मैंने तुम्हें टटोलने के लिए हाथ बढ़ाया था ,
फिर याद आया कि तुम नहीं हो,
तो मैं झट से उठ बैठा और फ़िर
इस खालीपन के अहसास से भागने लिए
खुद को काम में झोंक दिया दिनभर

आज भी सुबह जब मैंने चाय रखता हूं
टेबल पर तो याद आता है
तुम तो ऐसे पीती थीं।
दरवाज़ा खोलता हूँ
तो एक पल को उम्मीद होती है
कि तुम सामने होओगी।
फिर याद आता है
तुम तो हो नहीं ।

मैं अब भी यह मान नहीं पा रहा
कि तुम यहाँ नहीं हो
बार-बार आधा मुड़कर देखता हूं
ये देखने कि तुम क्या कर रही हो,

और तब मैंने जाना
मोहब्बत का वजूद फ़कत
साथ होने में नहीं,
किसी के न होने पर भी
उसके लिए
जगह बची होने में होता है।

जबलपुर ,मध्यप्रदेश

व्यंग्य केसरी

हम तो डूबेंगे सनम...!

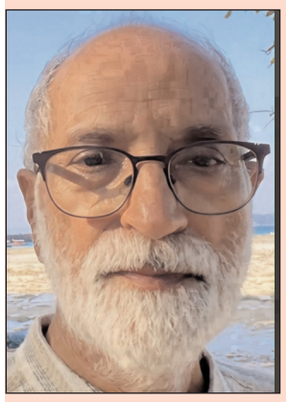

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

भारतीय मनीषा के अपौरुषेय ग्रंथ वेद और आदिकवि बाल्मिकी से लेकर भक्तिकाल के पूर्व व बाद के कवियों ने नानाविध भाषाओं में राम के निराकार और साकार (अवतार) दोनों रूपों का अपने ग्रंथों में विस्तारपूर्वक वर्णन किया है। जहाँ कबीर 'दशरथ पूत तिहिहँ लोक बखाना, राम नाम का मर्म है आना' कहकर राम के निराकार स्वरूप की बात कहते हैं, तो वहीं तुलसी राम के साकार स्वरूप का गुण-गान करते हैं। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम राम की गाथा को घर-घर पहुँचाकर सनातनी जनमानस के गले का हार ही नहीं बनाया बल्कि विधर्मियों से खुद की रक्षा का एक अचूक और हथियार थमा दिया था। जिसके भरोसे सदियों की ग़ुलामी के बाद आज भी सनातन धर्म और समाज बचा हुआ है, वरना विधर्मियों ने हिंदुओं के परम आराध्य राम और उनकी प्रतिष्ठा को विनष्ट करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी।

वस्तुतः होना तो यह चाहिए था कि हज़ारों साल की ग़ुलामी के बाद देश की गौरवशाली सनातनी परम्परा, धर्म-संस्कृति, इतिहास की पहचान को प्रतिष्ठा मिलनी चाहिए थी, पर तथाकथित महात्मा की हठ ने अंग्रेजियत की मानसिकता से आक्रांत, देश के विभाजन के दोषी और एक एक्सीडेंटल हिंदू नामधारी को देश का प्रधानमंत्री बनवा दिया। उसका दुष्परिणाम यह हुआ कि अपनी कुर्सी सलामत रहे अल्पसंख्यकों के प्रति खानदानी जन्मजात हमदर्दी, विदेशी हमलावरों और फिरंगियों की तरफ़दारी, उनके हक में फ़ैसले किए जाते रहे और आज़ादी के दशकों बाद तलक हिंदुओं बेवकूफ बनाया जाता रहा।

यह सिलसिला गुलाब और टोपीधारी के बाद उनकी बेटी, बेटी का बेटा, बेटे की विदेशी पत्नी यानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी द्वारा घातक फ़ैसले लिए जाकर अल्पसंख्यकों को ताकतवर और बहुसंख्यक समुदाय को कमज़ोर किया जाता रहा। इतना भर ही नहीं, वर्णसंकर और उनके अँधभक्तों ने अवधपति प्रभु राम के अस्तित्व को नकारा ही नहीं, बल्कि उनके भक्तों पर इस कदर जुल्म ढाए कि उसकी कटु यादों की टीस से आज भी हृदय सिहर उठता है। वह तो भला हो, कालपुरुष का। जिसने करवट बदली, अपनी उनींदी आँखें खोली और देश के सनातनी समाज को कुंभकर्णी नींद से जाग उठा, वरना देश के आसमान पर आज हरा लहरा रहा होता।

इतना कुछ भुगतने के बाद आज भी देश की इस पावन धरा पर बहुतेरे ऐसे नाशुक्रे क़िस्म के सनातनी हैं, जो राम के विरोध और विधर्मियों की पैरोकारों में अदालतों में खड़े हैं। रात-दिन मुखिया के मरने की बद्दुआएँ की जा रही हैं। वहीं पर अँधभक्तों की फ़ौज अपने हाथों में जंग खाए हुए हथियार लिए है, जो अपने पागल सरदार के लिए अपनी जान कुर्बान करने पर तुली है। और पागल सरदार रात-दिन 'हम तो डूबेंगे सनम, तुमको भी ले डूबेंगे' की उक्ति चरितार्थ करने में लगा है।

इतिहास

29 सितंबर का इतिहास भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन का गवाह है। इस दिन से जुड़ी मुख्य बातें नीचे दी गई हैं:

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ2016: भारतीय सेना ने ThePrint Hindi के अनुसार पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकवादी शिविरों को तबाह किया था।

1959: आरती साहा इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली एशियाई महिला तैराक बनीं।

1962: कोलकाता में एशिया के सबसे बड़े बिरला तारामंडल (Birla Planetarium) की शुरुआत हुई।

1650: इंग्लैंड में पहले मैरिज ब्यूरो की शुरुआत हुई।

1836: मद्रास चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की स्थापना हुई।

राजभाषा आयोग के सम्मेलन में बिलासपुर के साहित्यकारों ने की सहभागिता

सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. दीनदयाल यादव 'नीलेश' साहित्यकार सम्मान से सम्मानित

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के दसवें प्रांतीय सम्मेलन का द्विदिवसीय आयोजन 26 एवं 27 सितम्बर को बेमेतरा में हुआ। सम्मेलन में बिलासपुर जिला समन्वयक डॉ. विवेक तिवारी के नेतृत्व में जिले के 30 साहित्यकारों ने सहभागिता की।

सम्मेलन का उद्घाटन दुर्ग सांसद विजय बघेल, विधायक दीपेश साहू एवं पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने किया। आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आयोग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। आयोग की सचिव डॉ. अभिलाषा बेहार ने बताया कि छत्तीसगढ़ी को राजकाज की भाषा के रूप में स्थापित करने, आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के प्रयासों, साहित्य की विभिन्न विधाओं में लेखन को प्रोत्साहित करने तथा साहित्यसेवियों के सम्मान एवं स्मरण के उद्देश्य से सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन में बिलासपुर के साहित्यकार 7 डॉ. दीनदयाल यादव 'नीलेश' को साहित्यकार सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में विभिन्न सत्रों का संचालन डॉ. राघवेन्द्र कुमार दुबे, डॉ. विवेक तिवारी एवं सोमप्रभा तिवारी ने किया। वक्ता के रूप में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, डॉ. ईशाबेला लकड़ा, डॉ. अंकुर शुक्ला एवं शरद यादव ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सम्मेलन के दौरान सात सत्रों में विभिन्न साहित्यिक एवं भाषायी विषयों पर संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

सम्मेलन के अवसर पर आयोजित प्रांतीय कवि सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कवि-कवयित्रियों ने काव्य पाठ किया। बिलासपुर की ओर से डॉ. राघवेन्द्र कुमार दुबे, डॉ. अंकुर शुक्ला, डॉ. शत्रुघ्न जेसवानी, शीतल प्रसाद पाटनवार, डॉ. दीनदयाल यादव 'नीलेश', अजय शर्मा, सुरेश सिंह बैस, डॉ. विनोद कुमार वर्मा, डॉ. सुनीता मिश्रा, पूर्णिमा तिवारी, सोमप्रभा तिवारी, शरद यादव, बालमुकुन्द श्रीवास, गजानन पात्रे, सेवकराम साहू एवं डॉ. विवेक तिवारी ने काव्य पाठ कर अपनी प्रभावी सहभागिता दर्ज कराई। सम्मेलन के अंत में सभी साहित्यकारों को आयोग द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के इस प्रांतीय सम्मेलन में बिलासपुर के साहित्यकारों की व्यापक एवं सक्रिय भागीदारी ने छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति जिले की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

बाढ़ प्रभावित वार्ड में जनसेवा और जागरूकता की पहल

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद अंकुर गोयल जी ने महानदी के बढ़े हुए जलस्तर से प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर वार्डवासियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं एवं परिस्थितियों का जायजा लिया।

इस दौरान पार्षद वार्ड क्रमांक 15 के अंकुर गोयल एवं वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद ओम प्रकाश साहू जी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को बाढ़ के बाद होने वाली संभावित बीमारियों और संक्रमण से बचाव के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि पानी को अच्छी तरह उबालकर, छानकर ठंडा करके ही पिएं और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

साथ ही उन्होंने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि बाढ़ में डूबे अथवा क्षतिग्रस्त मकानों में फिलहाल वापस न जाएं, क्योंकि पानी के कारण मिट्टी के मकान की संरचना कमजोर हो सकती है और गिरने का खतरा बना रह सकता है। सभी लोग अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

वार्ड के युवाओं से बात करते हुए पार्षद गोयल जी ने उनसे कहा कि जब घर में कोई विपत्ति आती है तो सभी को एकजुट होकर उसका सामना करना होता है इससे परेशानी को दूर करने में आसानी होती है इसके लिए आप जैसे युवाओं से निवेदन है कि आप भी मोहल्ले में घर घर जाइए जिनको भी परेशानी है उनसे पूछकर अपनी सहभागिता निभाये क्योंकि शिवरीनारायण के अधिकतर युवाओ को नदी के कारण तैरना और इस बाढ़ जैसे हालात से निपटने की समझ बहुत अच्छे से है महिला,बुजुर्गों और बच्चों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाना और उनकी मदद करने में युवा साथी ही प्रशासन की मदद कर सकता है।

मुश्किल की इस घड़ी में वार्डवासियों के बीच पहुंचकर उनकी चिंता सुनना, उन्हें सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करना और हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहना ही सच्ची जनसेवा है।

कोसला धाम में धर्म जन-जागरण अभियान

विश्व केसरी

पामगढ़-जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। माता कौसल्या जन्मभूमि 'कोसला धाम' में धर्म जन-जागरण अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में धर्म, संस्कृति, आध्यात्मिक विकास एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण को लेकर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अंजू गबेल ने माताओं-बहनों एवं ग्रामीणों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस दौरान धर्मांतरण से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई और किसी भी प्रकार के प्रलोभन, भय या दबाव से सतर्क रहने की अपील की गई। कार्यक्रम में कोसला धाम से चंद्रपुर तक 50 हजार श्रद्धालुओं के साथ प्रस्तावित विशाल पदयात्रा की घोषणा की गई। इसमें संत-महात्माओं, धर्मगुरुओं एवं धार्मिक प्रतिनिधियों की सहभागिता का प्रयास किए जाने की बात कही गई।

अतिथियों को माता कौसल्या का चित्र एवं ऐतिहासिक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती संतोषी सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कोसला धाम की माताएं-बहनें, वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी, सक्ती ने किया विशाल रैली, पैदल मार्च और विरोध प्रदर्शन

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायपुर के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी सक्ती द्वारा डां भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा के पास से विशाल रैली एवं पैदल मार्च करते हुए,मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा लिये गये लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी एकतरफा एवं मनमानी तरीके से कार्य करने के खिलाफ नारेबाजी एवं उनको गिरफ्तार करने की मांग कर कचहरी चौक में पुतला दहन किया गया । तत्पश्चात मुख्य चुनाव आयुक्त को गिरफ्तार करने संबंधी ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम से जिला कलेक्टर को दिया गया। इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती रश्मि गभेल, ठाकुर गुलजार सिंह जिला प्रतिनिधि,उपाध्यक्षगण , बलराम पांडे बोधसाय चंद्रा, ओमप्रकाश पटेल, धनीराम सोनवानी, भुनेश्वर चंद्रा,अमरसिंह बनाफर,बोधसाय चंद्रा महामंत्री गण गिरधर जायसवाल, पिंटू ठाकुर घनश्याम देवांगन कुसुम यादव, मधुसूदन साहू, ताम्रध्वज चंद्रा, ताराचंद देवांगन, विजय सूर्यवंशी, जितेन्द्र बहादुर सिंह , नीतेश वर्मा,सचिव सन्नी यादव, राजेन्द्र यादव, कुसुमलता अजगल्ले, भीष्म देव भारती, जीवन साहू, मनोज जायसवाल,पारस यादव , गायत्री सिदार चन्द्रकुमार सोनी, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षगण गोपाल भारद्वाज, श्याम कुमार केवट, कुशल कश्यप, रामप्यारे सिदार, ओमप्रकाश पटेल राकेश राठौर, जलाला सोनी रामसजीवन देवांगन जीवेन्द राठौर साधेश्वर गबेल जागेश्वर सिंह,जीवेन्द्र राठोर, राकेश गबेल, रामकुमार राठौर , चन्द्रकुमार गबेल, प्रकाश गबेल, सोनू तंबोली, अकीब खान , पप्पू खान, नारायण गभेल, राशि खान,पवन साहू , सम्मेलाल जायसवाल,प्रेम राठोर, टीकाराम कुर्रे , पूर्णिमा खूंटे, लंकेश्वरी लहरें ,सरोज डनसेना , रोहित साहू, सुनील पटेल , भानुप्रताप गबेल, अमित राठौर, राजीव जायसवाल, ,पीयूष राय , प्रकाश अग्रवाल ,कालू , अग्रवाल,हरीश अग्रवाल , महबूब खान, रवीमन्द्र राठौर, गोपाल श्रीवास, मेनिख जायसवाल, गीता साहू,आनंद नायक,सरवन सिधार , रथराम पटेल , राकेश, विनोद पांडेय, अमित, राइस किंग खुटे, बलराम वैष्णव, दिलेश्वर दर्शन, प्रताप चंद्रा, कृष्णा रात्रे , भरत जलतारे ज्योतिष गर्ग, राम-लखन कटकवार, गुलशन साहू, प्रांजल कुर्रे राठौर, महंत, प्यारेपटेल, अल्का जायसवाल युगल किशोर बंजारे कला साण्डे, सीता जाटवर , सुमित्रा धृतलहरे , गीता देवांगन, विजिया जायसवाल, चांदनी सहिस,सुरेश महिलांगे ,सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

शिवरीनारायण पुल से नीचे उतरा पानी, बाढ़ का खतरा टला

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी में बीते दिनों बढ़े जलस्तर के बाद अब राहत की खबर सामने आई है। शिवरीनारायण में महानदी का जलस्तर कम होने लगा है और पानी पुल से नीचे उतर गया है। जलस्तर घटने के बाद क्षेत्र में बाढ़ की आशंका भी कम हुई है।

पिछले दिनों महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण प्रशासन ने एहतियातन निगरानी बढ़ा दी थी। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए महानदी पुल पर आवागमन भी प्रभावित हुआ था। अब पानी के नीचे उतरने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

प्रशासन द्वारा नदी के जलस्तर और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। हालांकि जलस्तर में दोबारा बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए लोगों से नदी के आसपास सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

शक्ति नगर में पागल कुत्ते ने 10 से 15 लोगों को काटा

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर में आवारा कुत्तों का आतंक अब घातक रूप ले चुका है। हाल ही में शहर के वार्ड क्रमांक 3, 4, 5, 6 और 7 में एक लाल रंग के पागल कुत्ते ने भारी आतंक मचाते हुए लगभग 10 से 15 राहगीरों व स्थानीय निवासियों को काट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। एक साथ कई वार्डों में हुई इस घटना से पूरे नगर में भय और दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। स्थिति यह है कि लोग अब अपने बच्चों को घरों से बाहर निकालने और खुद भी पैदल निकलने से कतरा रहे हैं।

'दैनिक विश्व केसरी' की चेतावनी हुई सच - उल्लेखनीय है कि समाचार पत्र 'दैनिक विश्वा केसरी' ने बीते 25 तारीख के अंक में नगर में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या और इससे होने वाली संभावित अप्रिय घटना को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। खबर के माध्यम से शासन-प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करते हुए समय रहते कार्रवाई की मांग की गई थी। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया, जिसका खामियाजा आज नगरवासियों को भुगतना पड़ रहा है।

तत्काल कदम नहीं उठाए तो बिगड़ेगी स्थिति

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन ने अब भी त्वरित संज्ञान लेकर इस लाल रंग के कुत्ते को पकड़ने और बाकी आवारा कुत्तों के नियंत्रण/बंध्याकरण हेतु अभियान नहीं चलाया, तो कांटने की घटनाओं में और इजाफा हो सकता है। जनहित में मांग की गई है कि स्वास्थ्य विभाग एवं नगर पालिका प्रशासन तत्काल प्रभावित वार्डों में एटी-रेबीज इंजेक्शन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे और आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए विशेष टीम गठित करे।

नक्सली डंप से 20 लाख की बरामदगी पर उठे सवाल?

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में नक्सली डंप की तलाश के दौरान कथित तौर पर मिली करीब 20 लाख रुपए की नकदी को लेकर पुलिस विभाग में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोप है कि मार्च-अप्रैल 2026 में जंगलों से बरामद रकम को सरकारी खाते में जमा कराने के बजाय तत्कालीन दो डीएसपी ने आपस में बांट लिया।

जानकारी के मुताबिक कांकेर में पदस्थ तत्कालीन दो डीएसपी अपनी टीम के साथ विकासखंड कांकेर के ग्राम पंचायत मूरागांव के आश्रित ग्राम टोण्डामरका और मरकाकोनारी के जंगलों में नक्सली डंप की तलाश के लिए अभियान पर गए थे। बताया गया कि समर्पित नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर जंगल में संभावित डंप की तलाश की जा रही थी।

टोण्डामरका और मरकाकोनारी में नकदी मिलने का दावा : आरोपों के अनुसार तलाशी अभियान के दौरान टोण्डामरका के जंगल से करीब 15 लाख रुपए और मरकाकोनारी के जंगल से लगभग 5 लाख रुपए नकद मिले। इस तरह कुल बरामद रकम करीब 20 लाख रुपए बताई जा रही है। हालांकि नकदी की वास्तविक बरामदगी और उसके कथित बंटवारे की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई।

रकम सरकारी खाते में जमा हुई या नहीं, यही बड़ा सवाल - पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल कथित तौर पर बरामद नकदी को लेकर है। आरोप है कि रकम की जानकारी उच्च अधिकारियों को नियमानुसार नहीं दी गई और दोनों तत्कालीन अधिकारियों ने इसे आपस में बांट लिया। हालांकि इस आरोप की पुष्टि जांच रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद ही स्पष्ट रूप से हो सकेगी।

एसपी तक पहुंची शिकायत, कराई गई जांच : मामला कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के संज्ञान में आने के बाद शिकायत के आधार पर जांच कराई गई। पुलिस अधीक्षक ने शिकायत मिलने और जांच कराए जाने की पुष्टि की है। उनके मुताबिक जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंप दी गई है।

जांच रिपोर्ट में क्या निकला, अब तक सामने नहीं आया : जांच के निष्कर्ष और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ किसी संभावित कार्रवाई को लेकर फिलहाल आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि जांच में कथित नकदी बरामदगी और उसके बंटवारे से जुड़े आरोपों को लेकर क्या तथ्य सामने आए।

तबादले के बाद शुरू हुई मामले की चर्चा- बताया जा रहा है कि दोनों तत्कालीन डीएसपी के कांकेर जिले से स्थानांतरण के बाद नक्सली डंप की तलाश में सक्रिय टीम के बीच कथित बरामदगी को लेकर चर्चाएं तेज हुईं। इसके बाद मामला पुलिस अधीक्षक तक पहुंचा और गंभीरता को देखते हुए विभागीय स्तर पर इसकी जांच कराई।

फगुरम-कर्रापाली सड़क निर्माण अधूरा, धूल से लोग हो रहे परेशान

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती से टुंडरी मार्ग के अंतर्गत आने वाले ग्राम कर्रापाली में सड़क का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। बारिश के दिनों में सड़क पर भारी कीचड़ और गड्ढे (पोखरनुमा गड्ढे) बन जाते हैं। गर्मी के मौसम में चारों तरफ धूल उड़ती है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

आए दिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। सड़क के चौड़ीकरण के लिए जिन ग्रामीणों की जमीन अधिग्रहित की गई है, उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। इस वजह से ग्रामीण सड़क का निर्माण कार्य आगे नहीं होने दे रहे हैं।इस मार्ग का निर्माण कार्य आज से लगभग 5 साल पहले (वर्ष 2020 में) ही पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन 5 साल बीत जाने के बाद भी यह अधूरा है। यह सक्ती से रायगढ़ जिले को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है, जहाँ से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों और राहगीरों की आवाजाही रहती है। शासन-प्रशासन की उपेक्षा से क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है और वे इस अधूरे सड़क निर्माण को जल्द से जल्द पूरा करने तथा मुआवजे का भुगतान करने की मांग कर रहे हैं।

वैश्विक तनावों के चलते धराशायी हुआ बाजार; सेंसेक्स 1,124 अंक फिसला

विश्व केसरी■

मुंबई। भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान, घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों में भारी बिकवाली देखी गई, और बीएसई सेंसेक्स 1,124.02 अंक यानी 1.52 प्रतिशत गिरकर 72,771.72 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी50 360.25 अंक यानी 1.56 प्रतिशत गिरकर 22,780.25 पर आ गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,895.74 से 160.91 अंक यानी 0.21 प्रतिशत गिरकर 73,734.83 पर खुला, और एक समय यह 1,179.51 अंक यानी 1.59 प्रतिशत गिरकर 72,716.23 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,140.50 से 0.32 प्रतिशत गिरकर 23,064.90 पर खुला और एक समय यह 378.3 अंक यानी 1.63 प्रतिशत गिरकर

22,762.20 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद वैश्विक बॉन्ड यील्ड में उछाल ने निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर दिया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 क्रमश: 1.63 प्रतिशत और 1.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा; वहीं निफ्टी आईटी ने सबसे कम गिरावट के साथ बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, इंफोसिस और एचडीएफसी लाइफ को छोड़कर बाकी सभी शेयरों में गिरावट देखने को मिली। इनमें सबसे ज्यादा गिरावट टीएमपीवी, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, पावरग्रिड और एलएंडटी के शेयरों में रही। इस बीच, बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) शुक्रवार के करीब 482 करोड़ रुपए से घटकर 474 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिसमें 8 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई। सोमवार को बाजार गिरने के कारणों की बात करें तो, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और लड़ाई समाप्त करने के ईरानी प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जबकि ईरान ने जोर देकर कहा कि केवल कूटनीति ही संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल के साथ उसके संघर्ष का समाधान कर सकती है।

बैंक हड़ताल टलने से ग्राहकों को राहत सरकारी बैंकों में कामकाज सामान्य

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकारी बैंक कर्मचारियों के संघ यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की ओर से प्रस्तावित 28-30 सितंबर तक की हड़ताल टलने से ग्राहकों को राहत मिली है और सभी बैंकों में कामकाज सामान्य बना हुआ है। यह जानकारी कई सरकारी बैंकों की ओर से सोमवार को दी गई।

एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि यूएफबीयू द्वारा 28-30 सितंबर तक की प्रस्तावित हड़ताल स्थगित कर दी गई है और सभी शाखाएं और बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहेंगी। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा ने ग्राहकों के लिए जारी की एडवाइजरी कहा कि हम ग्राहकों को बताना चाहते हैं कि यूएफबीयू की ओर से 28-30 सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल को टाल दिया गया है। अब बैंक ऑफ बड़ौदा की सभी ब्रांच पर ऑपरेशन सामान्य रहेंगे। इसके अलावा, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब एंड सिंध बैंक, केनरा बैंक और महाराष्ट्र बैंक समेत अन्य सरकारी बैंकों की ओर से भी ऐसी ही एडवाइजरी जारी की गई।

इससे पहले, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच रविवार रात हुई बैठक में विभिन्न लंबित मुद्दों पर विचार-विमर्श के बाद आंदोलन और हड़ताल के कार्यक्रम को स्थगित करने पर सहमति बनी।

यूएफबीयू के मुताबिक, रविवार रात करीब 9:30 बजे आईबीए और यूएफबीयू के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। विस्तृत चर्चा के बाद शेष शनिवार को बैंक अवकाश घोषित करने सहित विभिन्न मुद्दों पर आगे बातचीत और समाधान की प्रक्रिया जारी रखने का फैसला किया गया। इसके बाद यूएफबीयू ने अपने प्रस्तावित आंदोलनात्मक कार्यक्रमों और हड़ताल को टालने पर सहमति जताई। बैठक में तय किया गया कि बैंकों में शेष शनिवार को भी अवकाश घोषित करने के मुद्दे पर विचार के लिए आईबीए और यूएफबीयू की एक उच्चस्तरीय समिति तत्काल गठित की जाएगी।

भारत में आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने का रुझान मजबूत 3.86 लाख करोड़ रुपए की पाइपलाइन से बढ़ा भरोसा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत का प्राइमरी मार्केट अब केवल समय-समय पर आने वाले आईपीओ तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह पूंजी निर्माण (कैपिटल फॉर्मेशन) का एक मजबूत और स्थायी माध्यम बनकर उभर रहा है। एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया (एआईबीआई) के अनुसार, देश में मेनबोर्ड आईपीओ की पाइपलाइन लगभग 3.86 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जो इस वर्ष अब तक 84 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए जुटाए गए 1.10 लाख करोड़ रुपए से करीब साढ़े तीन गुना अधिक है।

एआईबीआई ने अपने बयान में कहा कि इस पाइपलाइन में करीब 130 कंपनियां शामिल हैं जिन्हें पहले ही सेबी की मंजूरी मिल चुकी है, जबकि लगभग 75 अन्य कंपनियों ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है और नियामकीय मंजूरी की प्रतीक्षा कर रही हैं।

उद्योग संगठन के मुताबिक, इतनी बड़ी पाइपलाइन यह संकेत देती है कि कंपनियों की सार्वजनिक बाजारों के जरिए पूंजी जुटाने में रुचि लगातार बनी हुई है। साथ ही यह आने वाले

समय में भारतीय प्राइमरी मार्केट की गहराई और क्षमता को भी दर्शाती है।

एआईबीआई के चेयरमैन महावीर लुनावत ने कहा कि संस्थागत निवेशकों (क्यूआईबी), उच्च निवल मूल्य वाले निवेशकों (एचएनआई) और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी यह दिखाती है कि प्राइमरी मार्केट अब अधिक व्यापक और दीर्घकालिक पूंजी निर्माण का माध्यम बनता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2016 से 2026 के बीच मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए कुल 8.36 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। इस दौरान वार्षिक फंड जुटाने की राशि 2016 के 26,494 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025 में 1.76 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।

इसी तरह मेनबोर्ड आईपीओ की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2016 में जहां केवल 26 मेनबोर्ड आईपीओ आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 103 हो गई और 2026 में अब तक 84 आईपीओ बाजार में आ चुके हैं।

भारत के शीर्ष सात शहरों में तीसरी तिमाही में घरों की बिक्री 3 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष 7 शहरों में 2026 की तीसरी तिमाही में घरों की बिक्री सालाना आधार पर 3 प्रतिशत बढ़कर 1,00,220 यूनिट्स हो गई है। वहीं, बिक्री की वैल्यू करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एनारॉक ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की तीसरी तिमाही में नई आपूर्ति 18 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1,14,320 यूनिट हो गई। इसमें मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) का अहम योगदान रहा, जहां लगभग 37,500 यूनिट और हैदराबाद में लगभग 18,950 यूनिट लॉन्च हुईं।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक आर्थिक दबावों के बावजूद, 2026 की तीसरी तिमाही में भारत के आवासीय बाजार ने फिर से रफ्तार पकड़ी। खरीदारों की

मजबूत मांग के कारण घरों की बिक्री में तेजी आई, हालांकि बढ़ती लागत और अलग-अलग मार्केट में मांग में असमानता के कारण ग्रोथ एक सीमित दायरे में ही रही।

एमएमआर में सबसे ज्यादा लगभग 31,750 यूनिट्स की बिक्री हुई, इसके बाद बेंगलुरु में लगभग 16,670 यूनिट्स की बिक्री हुई। 2026 की तिमाही में टॉप 7 शहरों में हुई कुल बिक्री में इन दोनों शहरों का हिस्सा 48 प्रतिशत था। एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, 'हैदराबाद में घरों की बिक्री में सालाना आधार पर सबसे ज्यादा 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, इसके बाद बेंगलुरु में 12 प्रतिशत और एमएमआर में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। बाकी सभी टॉप शहरों में सालाना आधार पर बिक्री में गिरावट दर्ज की गई।'

ज्यादातर शहरों में सालाना आधार पर नई आपूर्ति में गिरावट देखी गई, लेकिन हैदराबाद, एमएमआर और बेंगलुरु में नई आपूर्ति में बढ़ोतरी क्रमश: 120 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 17 प्रतिशत रही। 80 लाख रुपए से 1.5 करोड़ रुपए की कीमत वाली यूनिट्स का नई आपूर्ति में सबसे ज्यादा 34 प्रतिशत हिस्सा था, इसके बाद 1.5 करोड़ रुपए से 2.5 करोड़ रुपए के बजट सेगमेंट का 24 प्रतिशत हिस्सा था।

इस तिमाही में कुल नई आपूर्ति में 40 से 80 लाख रुपए की कीमत वाली यूनिट्स का हिस्सा 17 प्रतिशत था, जबकि 40 लाख रुपए से कम कीमत वाली कैटेगरी का हिस्सा 14 प्रतिशत रहा।

2026 की तीसरी तिमाही के आखिर तक, टॉप 7 शहरों में उपलब्ध हाउसिंग इन्वेंट्री सालाना 12 प्रतिशत बढ़कर 6,30,590 यूनिट्स से ज्यादा हो गई। 2026 की तीसरी तिमाही में टॉप शहरों में घरों की औसत कीमतों में सालाना 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसमें एनसीआर में सबसे ज्यादा 12 प्रतिशत की सालाना बढ़त देखी गई, जिसके बाद बेंगलुरु में 8 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई।

स्पेसएक्स 14वीं परीक्षण उड़ान में स्टारशिप रॉकेट को करेगा लॉन्च

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। एलन मस्क के नेतृत्व वाली स्पेसएक्स सोमवार को अपनी 14वीं परीक्षण उड़ान में स्टारशिप रॉकेट को लॉन्च करने जा रही है। यह मिशन अंतरिक्ष यान की पहली कक्षीय उड़ान का प्रयास होगा।

कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि लॉन्च के लिए 75 मिनट की विंडो सुबह 7:15 बजे खुलने वाली थी। हालांकि, यह नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा।

स्पेसएक्स अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर लॉन्च का सीधा प्रसारण करेगा। लाइव कवरेज लॉन्च से करीब 30 मिनट पहले शुरू होने की उम्मीद है।

इस मिशन के तहत स्टारशिप को करीब 275 किलोमीटर की ऊंचाई तक ले जाने, लगभग छह चक्कर पूरे करने और करीब 10 घंटे तक उड़ान भरने की योजना है। इसके बाद चिली के पश्चिम में प्रशांत महासागर में इसे निर्धारित स्थान पर उतारा जाएगा।

स्टेज अलग होने के बाद स्टारशिप के ऊपरी चरण से अगली पीढ़ी के 26 स्टारलिंक वी3 सैटेलाइट तैनात किए जाने की उम्मीद है।

इसके अलावा, इन सैटेलाइट्स के जरिए स्पेसएक्स के सैटेलाइट नेटवर्क की क्षमता में करीब 26 टेराबिट प्रति सेकंड की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। यह एक सामान्य फाल्कन 9 लॉन्च की क्षमता से करीब 10 गुना अधिक है।

सैटेलाइट तैनात करने के बाद स्टारशिप एक रैप्टर इंजन का

इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष में डी-ऑर्बिट बर्न करेगी। इसके बाद नियंत्रित तरीके से पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश और समुद्र में लैंडिंग का प्रयास किया जाएगा।

इस मिशन में सुपर हेवी बूस्टर के प्रमुख चरणों का भी परीक्षण किया जाएगा, जिसमें लॉन्च, स्टेज सेपरेशन और अंतिम लैंडिंग बर्न शामिल हैं। इसके बाद मैक्सिको की खाड़ी में समुद्र के निर्धारित क्षेत्र में लैंडिंग का प्रयास किया जाएगा।

यह उड़ान हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में किए गए उन अपग्रेड के बाद हो रही है, जिनका उद्देश्य बर्फ से संबंधित इंजन विफलताओं को दूर करना है। इन्हीं समस्याओं के कारण 13वीं उड़ान के दौरान बूस्टबैक मैन्युवर समय से पहले समाप्त हो गया था।

इसके अलावा, रिपोर्टों के अनुसार, स्पेसएक्स स्टारशिप की हीट शील्ड में भी बदलावों का परीक्षण कर रहा है। इनमें अधिक मजबूत टाइल माउंटिंग, घुमावदार टाइल डिजाइन और बेहतर प्लाज्मा शील्डिंग शामिल हैं।

शिप 41 में शिप 40 से दो दोबारा इस्तेमाल की गई हीट-शील्ड टाइल्स भी लगाई जाएंगी। यह स्टारशिप के लिए पुन: इस्तेमाल किए जा सकने वाले थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम का शुरुआती परीक्षण होगा।

यूएस फेड के ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद से गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ 3.6 प्रतिशत तक फिसले

विश्व केसरी■

मुंबई। अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद के चलते सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों को ट्रैक करने वाले गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स) में 3.6 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट देखने को मिली। चांदी में सोने के मुकाबले अधिक गिरावट के कारण सिल्वर ईटीएफ में ज्यादा गिरावट देखी जा रही थी।

एसबीआई सिल्वर ईटीएफ करीब 3.6 प्रतिशत गिरकर 216.23, निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ 3.57 प्रतिशत घटकर 210.99, टाटा सिल्वर ईटीएफ 3.51 प्रतिशत घटकर 21.43 और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ 3.44 प्रतिशत घटकर 220.49 पर पहुंच गया है।

दूसरी तरफ आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ 2.64 प्रतिशत घटकर 125.63, एसबीआई गोल्ड ईटीएफ 2.55 प्रतिशत घटकर 125.16, निप्पॉन इंडिया गोल्ड ईटीएफ 2.45 प्रतिशत घटकर 121.38 और टाटा गोल्ड ईटीएफ 2.26

प्रतिशत घटकर 14.29 पर आ गया है।

दोपहर 1:30 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,47,121 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 3.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,26,853 रुपए प्रति किलो पर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 3.13 प्रतिशत गिरकर 4,185 डॉलर प्रति औंस और चांदी 5.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61.42 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के शांति प्रस्ताव को खारिज करने को माना जा रहा है, जिससे कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 107 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इससे लंबे समय तक महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

इसने आने वाले फेड की बैठक में ब्याज दर बढ़ोतरी की अनुमान को बढ़ा दिया है, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिल रहा है।

सोने और चांदी की कीमतें 2.5 प्रतिशत तक गिरीं

विश्व केसरी■

मुंबई। सोने और चांदी में सोमवार के सत्र में गिरावट देखने को मिली और शुरुआती कारोबार में ही दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 2.5 प्रतिशत तक कम हो गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,881 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,50,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

फिलहाल 9:50 पर यह 2,721 रुपए या 1.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,48,160 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबारी सत्र में सोने ने 1,47,667 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,50,100 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2,34,696 रुपए

प्रति किलो के मुकाबले 2,32,300 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 5,490 रुपए या 2.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,29,206 रुपए प्रति किलो पर थी। अब तक के कारोबारी सत्र में चांदी ने 2,28,035 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,32,300 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है। सोना 2.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,230 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.43 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की बड़ी वजह फेड की ओर से ब्याज दरों के बढ़ने की आशंका और डॉलर इंडेक्स में लगातार तेजी को माना जा रहा है, जो कि अब 100.83 पर पहुंच गया है।

डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

चिकनकारी साड़ी में अप्सरा लगीं आलिया भट्ट, बंदगला पहन विक्की कौशल ने लूटी महफिल, मनीष मल्होत्रा शो में छाया फैशन

मनीष मल्होत्रा के मियावां शो में 'लव एंड वॉर' की जोड़ी आलिया भट्ट और विक्की कौशल ने अपने रॉयल और स्टनिंग अंदाज से महफिल लूट ली. व्हाइट चिकनकारी साड़ी और मैचिंग वेल में आलिया जहां किसी अप्सरा जैसी खूबसूरत लग रही थीं, वहीं मिडनाइट-ब्लू बंदगला सूट में विक्की कौशल का डैशिंग और क्लासी लुक हर किसी का ध्यान खींच रहा था.

फैशन की दुनिया में जब भी दिग्गज डिजाइनर मनीष मल्होत्रा (Manish Malhotra) का नाम आता है, तो कुछ बेहद खास और जादुई देखने की उम्मीद बंध जाती है. हाल ही में, मुंबई में आयोजित मनीष मल्होत्रा के खास मियावां (Mijwan) शो में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब बॉलीवुड के दो चर्चित सितारे रैंप पर उतरे. आने वाली बहुचर्चित फिल्म 'लव एंड वॉर' (Love And War) की जोड़ी—आलिया भट्ट और विक्की कौशल—ने इस शो में शोस्टॉपर बनकर चार चांद लगा दिए. दोनों सितारों का यह ट्रेडिशनल और कंटेंपरेरी फ्यूजन लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है. आइए, डिकोड करते हैं इनके इस स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट को, जिससे आप भी अपने लिए एथनिक वियर की बेहतरीन इंस्पिरेशन ले सकती हैं

मियावां वेलफेयर सोसाइटी के 15 साल और ट्रेडिशनल क्राफ्ट का जादू

यह खास शो 'मियावां वेलफेयर सोसाइटी' के साथ मनीष मल्होत्रा के जुड़ाव के 15 साल पूरे होने के जश्न में आयोजित किया गया था. इस कलेक्शन की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि इसमें कारीगरों की बेहतरीन कलाकारी- चिकनकारी और थ्रेड एम्ब्रायडरी- को आधुनिक और ट्रेंडी अंदाज में पेश किया गया था. पूरे कलेक्शन में आइवरी (सफेद), ग्रीन, कोरल और सुंदर ओम्ब्रे शेड्स का खूबसूरत इस्तेमाल देखने को मिला.

आलिया भट्ट का लुक: चिकनकारी साड़ी में लगीं अप्सरा

आलिया भट्ट ने इस इवेंट के लिए डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की कस्टम आइवरी चिकनकारी साड़ी को चुना, जिसे मशहूरस्टाइलिस्ट रिया कपूर ने स्टाइल किया था.

साड़ी और ब्लाउज की डिटेलिंग:

आलिया की इस साड़ी में बारीक चिकनकारी वर्क, नाजुक सीक्वेंस, सिल्वर एम्ब्रायडरी और खूबसूरत स्कैलप्ड बॉर्डर्स दिए गए थे. उनके साड़ी के पल्लू को कंधे पर बहुत ही ग्रेसफुली ड्रेप किया गया था.

मॉडर्न ब्लाउज और वेल:

साड़ी के साथ उनका बैंडेउ-स्टाइल (Bandeau-style) ब्लाउज बेहद मॉडर्न था, जिसमें अप्लीक वर्क, स्पेगेटी स्ट्रैप्स, स्क्वायर नेकलाइन और क्रॉप्ड फिटेड था. उनके साथ मैच करती हुई शीयर वेल (घूंघट/दुपट्टा) पर भी चिकनकारी और सीक्वेंस का काम किया गया था.

ज्वेलरी और मेकअप:

इस रॉयल लुक को पूरा करने के लिए आलिया ने व्हाइट गोल्ड में जड़ा डायमंड-पर्ल नेकलेस सेट, स्टेटमेंट ईयररिंग्स, मांग टीका और दोनों हाथों में डायमंड स्टडेड हाथ फूल पहने थे. उनका हेयरस्टाइल स्लीक सेंटर-पार्टेड बन था और मेकअप ड्यूई, स्मोकी आइज और ग्लॉसी पिंक लिप्स के साथ उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया.

विक्की कौशल का लुक: बंदगला सूट में दिखा डैशिंग स्वैग

आलिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए विक्की कौशल भी किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे. उन्होंने मिडनाइट-ब्लू और आइवरी कलर का शेरवानी सेट पहना था.

आउटफिट की खासियत:

विक्की के इस लुक में एक सिंपल व्हाइट कुर्ता और मैचिंग फ्लेयर्ड ट्राउजर्स शामिल थे, जिसके ऊपर उन्होंने मिडनाइट-ब्लू रंग की बंदगला जैकेट पहनी थी।

बेसन नहीं, उड़द दाल से बनाएं राजस्थानी कढ़ी के नरम पकोड़े, ऊपर से लगाएं लहसुन का तड़का, स्वाद ऐसा कि मांगेंगे दोबारा

राजस्थानी स्टाइल की इस कढ़ी में पकोड़े बेसन की जगह धुली उड़द दाल से तैयार किए जाते हैं. दाल को भिगोकर पीसने और अच्छी तरह फेंटने से पकोड़ों की बनावट नरम रखी जा सकती है. पकोड़ों को बहुत ज्यादा तेल में डीप फ्राई करने के बजाय कम तेल या घी में भी पकाया जा सकता है. दही और साबुत मसालों से तैयार कढ़ी में पकोड़े डालकर कुछ देर पकाया जाता है. आखिर में घी, लहसुन, अदरक और सूखी लाल मिर्च का तड़का इसके स्वाद को और बढ़ा देता है. इसे गर्मागर्म रोटी या चावल के साथ परोसा जा सकता है.

कढ़ी पकोड़े का नाम सुनते ही अक्सर बेसन और तेल में तले हुए पकोड़ों की तस्वीर आंखों के सामने आ जाती है. लेकिन अगर आप कुछ अलग स्वाद आजमाना चाहते हैं तो उड़द दाल से बनी यह राजस्थानी कढ़ी पकोड़ा रेसिपी आपके काम आ सकती है. इसमें पकोड़े बनाने के लिए बेसन की जगह धुली उड़द दाल का इस्तेमाल किया जाता है. खास बात यह है कि पकोड़ों को बहुत ज्यादा तेल में फ्राई करने की जरूरत नहीं पड़ती.

दही, मसालों और घी के तड़के से तैयार कढ़ी का स्वाद भी काफी अच्छा आता है. घर में जब रोज की दाल-सब्जी से कुछ अलग खाने का मन हो तो यह रेसिपी आसानी से ट्राई की जा सकती है. आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका.

उड़द दाल से बनेंगे कढ़ी के पकोड़े

सबसे पहले 1 कप धुली उड़द दाल को 4 से 5 बार साफ पानी से अच्छी तरह धो लें. अब इसे करीब 2 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें. दाल अच्छी तरह फूल जाए तो अतिरिक्त पानी निकालकर इसे मिक्सर में पीस लें. जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी डालें, लेकिन घोल बहुत पतला न रखें. पीसी हुई दाल में आधी छोटी चम्मच नमक और द छोटी चम्मच हींग डालकर अच्छी तरह फेंटें. घोल को फेंटने से पकोड़ों की बनावट हल्की और नरम रहने में मदद मिलती है. अब पकोड़े बनाने के लिए तैयार मिश्रण को अलग रख दें.

पकोड़ों को ऐसे पकाएं

यहां पकोड़ों को बनाने के लिए ज्यादा तेल में डीप फ्राई करने की जरूरत नहीं है. एक नॉन-स्टिक या भारी तले वाला पैन लें और उसमें थोड़ी मात्रा में घी या तेल लगाकर दाल के मिश्रण को छोटे-छोटे हिस्सों में डालें. इन्हें धीमी से मध्यम आंच पर पलटते हुए अच्छी तरह पकाएं. पकोड़ों का रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो उन्हें निकाल लें. अगर आप चाहें तो पकोड़ों को छोटे आकार में बनाएं. इससे वे कढ़ी में डालने पर आसानी से मसालेदार दही का स्वाद सोख लेते हैं.

दही से तैयार करें राजस्थानी कढ़ी

कढ़ी बनाने के लिए एक बड़े बर्तन में 1 कप दही लें. इसमें 4 कप पानी डालकर अच्छी तरह फेंट लें. ध्यान रखें कि दही और पानी का मिश्रण चिकना हो और उसमें गांठें न रहें. अब एक कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी गर्म करें. इसमें द छोटी चम्मच मेथी दाना, 10 से 15 काली मिर्च, 3 लौंग, एक टुकड़ा दालचीनी, ½ छोटी चम्मच राई और ½ छोटी चम्मच जीरा डालें. इसके बाद 2 तेजपत्ते, 10 से 12 करी पत्ते और 2 कटी हुई हरी मिर्च डालें।

सुबह खाली पेट केला खाना सही या रात में? जानिए केले को खाने का सही समय और किन लोगों को रहना चाहिए सावधान

केला उन फलों में शामिल है जिसे लोग दिन के अलग-अलग समय पर खाना पसंद करते हैं. कोई इसे सुबह नाश्ते में खाता है, तो कई लोग वर्कआउट से पहले या बाद में इसे स्नैक के तौर पर लेते हैं. कुछ लोग रात में हल्की भूख लगने पर भी केला खा लेते हैं. हालांकि, सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई तरह की बातें कही जाती हैं, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से केला खाने का कोई एक 'सही समय' तय नहीं है. आप इसे अपनी डाइट, दिनचर्या और शरीर की जरूरत के अनुसार खा सकते हैं.

केले में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन B6 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार, एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन B6 होता है. पोटैशियम शरीर में नसों और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज के साथ तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है. वहीं, विटामिन B6 शरीर में प्रोटीन के इस्तेमाल समेत कई जरूरी प्रक्रियाओं में मदद करता है.

केले में मौजूद कार्बोहाइड्रेट इसे जल्दी ऊर्जा देने वाला आसान स्नैक बनाता है. यही वजह है कि जिम जाने वाले लोग और खिलाड़ी इसे वर्कआउट से पहले या बाद में खाना पसंद करते हैं. हालांकि, सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषण संबंधी जरूरतें पूरी नहीं होतीं. इसे संतुलित डाइट का हिस्सा मानना बेहतर है।

पुराना लकड़ी का फर्नीचर खो चुका है अपनी चमक? ऑलिव ऑयल और सफेद सिरके से ऐसे करें साफ, दिखने लगेगा चमकदार

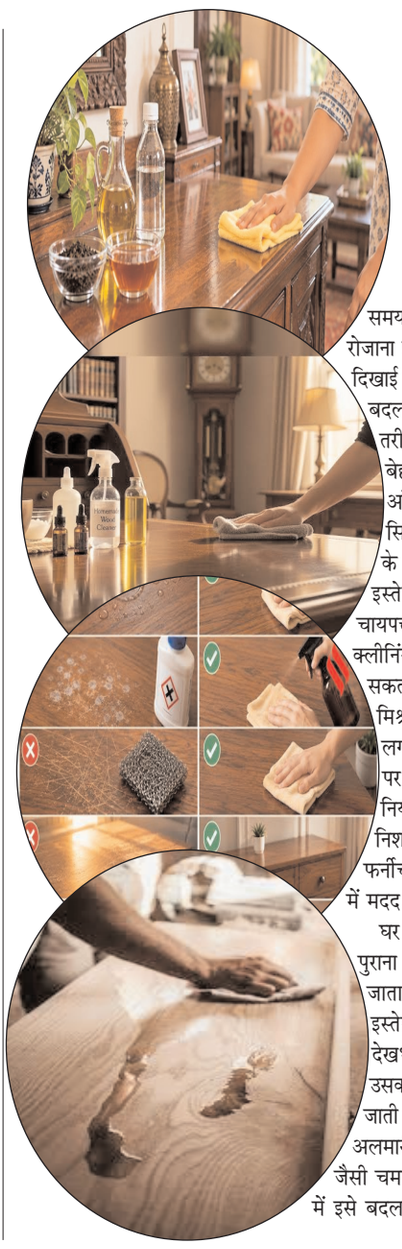

लकड़ी का फर्नीचर समय के साथ धूल, नमी और रोजाना इस्तेमाल के कारण फीका दिखाई देने लगता है. फर्नीचर को बदलने से पहले उसकी सही तरीके से सफाई करके चमक बेहतर की जा सकती है. ऑलिव ऑयल और सफेद सिरके का मिश्रण कुछ तरह के लकड़ी के फर्नीचर पर इस्तेमाल किया जाता है. चायपत्ती के पानी से भी घरेलू क्लीनिंग मिश्रण तैयार किया जा सकता है. किसी भी घरेलू मिश्रण को पूरे फर्नीचर पर लगाने से पहले छोटे हिस्से पर पैच टेस्ट जरूर करें. नियमित डस्टिंग और पानी के निशान तुरंत साफ करने से फर्नीचर को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है.

घर का लकड़ी का फर्नीचर पुराना होते ही खराब नहीं हो जाता. कई बार रोजाना इस्तेमाल, धूल, नमी और देखभाल की कमी के कारण उसकी सतह की चमक कम हो जाती है. बेड, टेबल, सोफा या अलमारी कुछ साल बाद पहले जैसी चमकदार नहीं दिखती तो मन में इसे बदलने का ख्याल आने लगता है, लेकिन फर्नीचर की फीकी चमक देखकर तुरंत नया सामान खरीदना जरूरी नहीं है.

घर में मौजूद कुछ चीजों से इसकी सतह को साफ करके बेहतर लुक दिया जा सकता है. खासकर सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले सिरके और कुछ तेलों का घरेलू तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. हालांकि हर लकड़ी और उसकी फिनिश अलग होती है. इसलिए किसी भी मिश्रण को इस्तेमाल करने से पहले सावधानी जरूरी है.

लकड़ी के फर्नीचर की चमक कम क्यों होती है

लकड़ी की सतह पर लगातार धूल जमने और हाथों के संपर्क में आने से फर्नीचर की फिनिश धीरे-धीरे मटमैली दिखाई दे सकती है. खाने-पीने की चीजों के दाग, नमी और पानी के निशान भी इसकी खूबसूरती कम कर देते हैं, अगर फर्नीचर ऐसी जगह रखा है जहां सीधी धूप पड़ती है तो समय के साथ रंग और फिनिश में बदलाव नजर आ सकता है. ऐसे में सबसे पहले फर्नीचर की अच्छी तरह डस्टिंग करना जरूरी है. सूखे और मुलायम माइक्रोफाइबर या सूती कपड़े से सतह साफ करने के बाद ही किसी घरेलू मिश्रण का इस्तेमाल करना बेहतर रहता है.

ऑलिव ऑयल और सफेद सिरके का मिश्रण

घर में उपलब्ध ऑलिव ऑयल और सफेद सिरके से एक साधारण सफाई मिश्रण तैयार किया जा सकता है. इसके लिए एक छोटी कटोरी में 2 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1 चम्मच सफेद सिरका लें. दोनों को अच्छी तरह मिला लें. अब मुलायम कपड़े पर इस मिश्रण की बहुत थोड़ी मात्रा लगाएं. फर्नीचर की सतह पर इसे हल्के हाथों से लगाकर पोंछें. इसके बाद दूसरे साफ और सूखे कपड़े से अतिरिक्त मिश्रण हटा दें. इससे सतह साफ और चमकदार नजर आ सकती है. यह तरीका हर तरह की लकड़ी या फिनिश के लिए सही हो, यह जरूरी नहीं है. इसलिए पूरे फर्नीचर पर लगाने से पहले पीछे या नीचे के किसी छोटे हिस्से पर पैच टेस्ट जरूर करें.

चायपत्ती के पानी से बना सकते हैं घरेलू क्लीनिंग मिश्रण

चाय बनाने के बाद बची चायपत्ती को फेंकने के बजाय कुछ लोग इसका इस्तेमाल लकड़ी की सतह की सफाई के लिए करते हैं. इसके लिए पानी में 2 से 3 चम्मच चायपत्ती डालकर कुछ देर उबालें. पानी ठंडा होने के बाद इसे छान लें. अब इस पानी में 2 चम्मच नारियल तेल और 2 चम्मच सफेद सिरका मिलाया जा सकता है।

बाजरे की रोटी के साथ चाहिए असली देसी स्वाद, जानें राजस्थानी लहसुन और लाल मिर्च की चटनी बनाने का देसी तरीका

राजस्थानी लहसुन लाल मिर्च की चटनी को छाछ में भिगोई लाल मिर्च, लहसुन और मसालों के साथ कूटकर बनाया जाता है. इसे कच्चा खा सकते हैं या सरसों के तेल में पकाकर स्टोर कर सकते हैं. बाजरे की रोटी के साथ इसका देसी स्वाद खास लगता है.

कभी-कभी साधारण दाल-रोटी के साथ बस एक चटनी पूरी थाली का स्वाद बदल देती है, अगर आपको तीखा और देसी स्वाद पसंद है तो राजस्थानी लहसुन लाल मिर्च की चटनी जरूर पसंद आएगी. इस चटनी की खासियत सिर्फ इसके मसाले नहीं बल्कि इसे बनाने का पारंपरिक तरीका भी है. इसे मिक्सी में महीन पीसने के बजाय सिलबट्टे या पत्थर के कूटने वाले बर्तन में कूटा जाता है.

इससे चटनी थोड़ी दरदरी रहती है और लहसुन, मिर्च व मसालों का स्वाद अच्छी तरह महसूस होता है. इसे बाजरे की रोटी के साथ परोसा जा सकता है. चाहें तो चटनी को पकाकर कुछ समय के लिए स्टोर भी कर सकते हैं.

राजस्थानी लहसुन लाल मिर्च की चटनी में क्या लगेगा

इस चटनी के लिए 10 से 12 कश्मीरी सूखी लाल मिर्च, आधा कप छिला हुआ लहसुन, करीब एक कप छाछ, आधा चम्मच जीरा, नमक, थोड़ा हरा धनिया और आधा चम्मच आमचूर पाउडर चाहिए. पकाने के लिए करीब 3 चम्मच सरसों का तेल, एक चौथाई चम्मच जीरा और आधा चम्मच हींग इस्तेमाल की जा सकती है. कश्मीरी लाल मिर्च इस्तेमाल करने से चटनी का रंग अच्छा आता है और इसकी तीखापन दूसरी कई सूखी लाल मिर्च की तुलना में हल्की हो सकती है, अगर आपको ज्यादा तीखा स्वाद पसंद है तो मिर्च का चुनाव अपनी पसंद के अनुसार कर सकते हैं।

अक्टूबर में घूमने का मजा होगा दोगुना, लॉन्ग वीकेंड पर इन 4 खूबसूरत जगहों का बनाएं

अक्टूबर में मौसम सुहाना होते ही घूमने का मन भी मचलने लगता है. अगर इस बार लॉन्ग वीकेंड पर रोजमर्रा की भागदौड़ से ब्रेक लेकर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो ये 4 डेस्टिनेशन आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर होनी चाहिए. खूबसूरत नजारे, शानदार मौसम और यादगार एक्सपीरियंस के लिए जानिए अक्टूबर में घूमने की इन खास जगहों के बारे में.

अक्टूबर का महीना शुरू होते ही छुट्टियों का खुमार सिर चढ़कर बोलने लगता है, और अगर इस महीने लंबा वीकेंड (स्पठुद्द ह्लुद्दद्मद्दठ्ठस्र) मिल जाए, तो सोने पर सुहागा हो जाता है! 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) का दिन इस साल आपके लिए घूमने का बेहतरीन मौका लेकर आ रहा है. अगर आप दिल्ली-एनसीआर (ष्ठद्मद्यद्धद्ध-ह्यष्ठक्र) में रहते हैं और ऑफिस की भागदौड़ या रोजमर्रा की थकान से ऊब चुके हैं, तो इस अक्टूबर लॉन्ग वीकेंड को प्लान करने के लिए यह बिल्कुल सही समय है.

दिल्ली के आसपास ऐसी कई खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जो कम समय में तय की जा सकती हैं और जहाँ अक्टूबर के सुहाने मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जाता है.

आइए जानते हैं कुछ ऐसे बेहतरीन ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में, जो दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए लॉन्ग वीकेंड पर घूमने के लिए बेस्ट हैं:

1. ऋषिकेश और मुनिकीरेती (Uttarakhand)

दिल्ली से महज कुछ ही घंटों की दूरी पर स्थित ऋषिकेश लॉन्ग वीकेंड के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है. अक्टूबर के महीने में यहाँ का मौसम बेहद सुहाना और ठंडा होने लगता है.

क्यों जाएं: अगर आपको शांति, गंगा किनारे बैठकर सुकून के पल बिताना या फिर रिवर राफ्टिंग और कैंपिंग जैसे एडवेंचर पसंद हैं, तो यह जगह परफेक्ट है.

2. नीमराना फोर्ट पैलेस (Rajasthan)

अगर आप बहुत लंबी यात्रा नहीं करना चाहते और किसी रॉयल व ऐतिहासिक जगह पर वीकेंड बिताना चाहते हैं, तो नीमराना बेहतरीन विकल्प है.

क्यों जाएं: दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित यह 15वीं शताब्दी का किला अब एक हेरिटेज होटल में बदल चुका है. यहाँ की शाही वास्तुकला, शानदार व्यू और ज़िपलाइनिंग (Zipline) जैसी गतिविधियाँ आपके ट्रिप को यादगार बना देंगी.

दूरी: दिल्ली से लगभग 120 किलोमीटर, यानी ड्राइव करके आसानी से पहुंच सकते हैं.

3. लैंसडाउन (Uttarakhand)

भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर अगर आप प्रकृति की गोद में कुछ वक्त बिताना चाहते हैं, तो लैंसडाउन एकदम शांत और अनएक्सप्लोरड हिल स्टेशन है.

क्यों जाएं: देवदार और चीड़ के ऊंचे-ऊंचे पेड़ों से घिरा यह छावनी इलाका अपनी साफ-सुथरी वादियों और शांति के लिए जाना जाता है. यहाँ आप भल्लाल झील में बोटिंग कर सकते हैं और सनसेट का लुत्फ उठा सकते हैं.

दूरी: दिल्ली से करीब 260 किलोमीटर.

4. जयपुर (Rajasthan)

राजस्थान की 'पिंक सिटी' जयपुर अक्टूबर की छुट्टियों में घूमने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है. इस समय यहाँ गुलाबी ठंड की शुरुआत होने लगती है.

क्यों जाएं: आमेर का किला, हवा महल, सिटी पैलेस और यहाँ के मशहूर पारंपरिक पकवान आपके ट्रिप को शानदार बना देंगे. लॉन्ग वीकेंड के लिए यह एक परफेक्ट कल्चरल गेटवे है.

दूरी: दिल्ली से लगभग 280 किलोमीटर (अब एक्सप्रेसवे बनने से सफर और भी आसान हो गया है).

ट्रिप के लिए कुछ जरूरी टिप्स:

एडवांस बुकिंग: चूंकि 2 अक्टूबर के आसपास लंबी छुट्टी होने पर होटलों और कैब में भारी भीड़ होती है, इसलिए अपनी स्टे (Stay) और ट्रेवल की बुकिंग पहले ही कर लें।

मौनी रॉय: नागिन से बॉलीवुड की ग्लैमरस क्वीन तक का सफर किया तय

मनाएंगी 40वां जन्मदिन

नई दिल्ली।

टीवी और अब बॉलीवुड की दुनिया में धमाल मचा रही अभिनेत्री मौनी रॉय को यूं तो कई रोल्स के लिए जाना जाता है। जहां उन्होंने करियर की शुरुआत में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थीं' में कुष्णा तुलसी का किरदार निभाया, तो 'देवों के देव... महादेव' में सती बनकर लोगों के बीच पहचान बनाई, लेकिन असली लोफ्रियता उन्हें 'नागिन' सीरियल से मिली।

वह नागिन के किरदार से घर-घर में पहचानी जाने लगीं। जिस अभिनेत्री ने नागिन बनकर लोगों के मन में एक खौफ पैदा किया, वो असल जिंदगी में खुद नागों से डरती हैं। सांपों के प्रति उनका डर बचपन से ही है और इसका खुलासा उन्होंने फराह खान के यूटयूब व्लॉग में किया।

> लोग सोचते हैं कि मैंने नागिन का रोल किया है तो मुझे सांपों से प्यार होगा, लेकिन सच इसके बिल्कुल उल्टा है। मुझे सांपों से बहुत डर लगता है।
> — मौनी रॉय

किरदारों से मिली पहचान

क्योंकि सास भी कभी बहू थी
कृष्णा तुलसी

देवों के देव... महादेव
सती

नागिन
शिवन्या और शिवांगी (डबल रोल)

बॉलीवुड में भी बनाया खास मुकाम

गोल्ड (2018)
अक्षय कुमार के साथ बॉलीवुड डेब्यू

मेड इन चाईना (2019)

रॉ (2021)

ब्रह्मांस्त्र (2022)
जुनून (नेगेटिव किरदार)

सांपों से डरती हैं सौनी

दरअसल, हाल ही में फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर गई थीं। वहीं दोनों के बीच खुब सारी बातें हुई। बातचीच के दौरान मौनी ने बताया कि वह बचपन से ही सांपों से बहुत डरती हैं। उन्होंने कहा, "लोग सोचते हैं कि मैंने नागिन का रोल किया हैं तो मुझे सांपों से प्यार होगा, लेकिन सच इसके बिल्कुल उल्टा है। मुझे सांपों से बहुत डर लगता है।"

वीएफएक्स और डमी सांपों के साथ करती थीं शूट

मौनी ने सीरियल 'नागिन' के दिनों को याद सरते हुए बताया कि शूट के दीरान उन्हें असली सांपों के साथ नहीं, लल्कि वीएफएक्स और डमी सांपों के साथ शूट करना पड़ता था। फिर भी जब भी उन्हें सांप जैसा कुछ भी दिखता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने मजाक में कहा कि सेट पर लोग उन्हें छिढ़ाते भी थे कि खुद नागिन हैं और सांप से ही डर रही है।

28 सितंबर को मनाएंगी 40वां जन्मदिन

28 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कुच बिहार में जन्मी मौनी 28 सितंबर को 40 साल की हो जाएगी। उनका यह डर वाला किस्सा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस कमेंट कर रहे हैं कि यह जानकर हैरानी हुई कि ऑन-स्क्रीन सबसे खतरनाक नागिन ऑफ-स्क्रीन इतनी डरपोक है।

फैंस को है बेहद पसंद

कराह खान के इस व्लॉग के बाद मौनी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। और उनका क्यूट डर फैंस कों काफी पसंद आ रहा है।

देव शर्मा ने सुनाया नैना देवी मंदिर का किस्सा, बताया हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का सच

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता देव शर्मा फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। अभिनेता ने हिंदू- मुस्लिम भाईचारे पर बात करते हुए बताया कि नैना देवी मंदिर का एक जबरदस्त किस्सा सुनाया।

अभिनेता ने मीडिया के साथ बातचीत में आपसी भाईचारे पर अपने विचार रखते हुए कहा कि अलग-अलग समुदाय के लोगों ने इस उत्सव में हिस्सा लिया और दावा किया कि मुसलमानों ने भी श्रीराम के गानों पर डांस किया।

उन्होंने कहा, 'साल 2024 में जब अयोध्या राम मंदिर का निर्माण हो रहा था और उसी समय नैनीताल में हमारी शूटिंग चल रही थी। वहां नैना देवी मंदिर है, जिसके आगे कोने पर एक मस्जिद है। उस समय हमें दंगों के बारे में सुनने को मिलता था और हमसे कहा भी जाता था कि राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, आप लोग शूटिंग के लिए आए हो, तो उस क्षेत्र में मत जाना।'

अभिनेता देव शर्मा ने हिंदू-मुस्लमान भाईचारे के बारे में बताते हुए कहा, 'नैना देवी मंदिर से 'जय श्री राम' जयघोष से रामजी की यात्रा निकली और साइड में मस्जिद थी, जिसके अंदर काफी लोग थे। उन्होंने अपनी नमाज खत्म ही की थी। सभी को लग रहा था कि अब कुछ-न-कुछ तो बवाल होगा लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि एक-एक मुसलमान भगवान श्रीराम के गाने पर नाचा है, जिसे देखकर हम सभी स्तब्ध रह गए।

उन्होंने कहा, 'उन सभी को इतनी खुशी हो रही थी, तो मुझे लगता है कि देश में अब भी काफी भाईचारा है। आज जब भी मैं यह कहानी याद करता हूं और फिर बताता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मैं हैरान हो जाता हूं कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई में बंटे इंसानों को भगवान ने बनाया है। भगवान तो एक ही हैं, तो जिस तरीके से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भाईचारा दिखाया, वो देखने योग्य था और मुग्ध कर देने वाला था।

परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर, 'रिपोर्टिंग लाइव' में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी।

फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी।

फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है।

परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ आगे बढ़ती है, जो अपने अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है।

फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, ''मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूं। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है।

सहायक निर्देशक से हीरोइन बनीं शरवरी वाघ, बोलीं-बॉलीवुड के गानों ने बनाया अभिनेत्री

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड में सहायक निर्देशक से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शरवरी वाघ पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया।

अभिनेत्री ने कहा, 'बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी वजह है कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ ही, मैं माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम को 'मैय्या यशोदा' में देखते हुए बड़ी हुई हूं और मैं घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी।'

अभिनेत्री ने इन पलों को बॉलीवुड से प्यार होने की वजह बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कहीं न कहीं, इन्हीं पलों ने मुझे बॉलीवुड के विचार से प्यार करना सिखाया।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पर्दे पर हमेशा से ही रोमांस करना पसंद है। अभिनेत्री शरवरी वाघ ने बताया, 'मुझे हमेशा से क्लासिक बॉलीवुड गानों का रोमांस, इमोशन और बड़े पर्दे वाला जादू पसंद रहा है, जिस तरह से आप एक गाने और डांस के जरिए पूरी कहानी बता सकते हैं। इसलिए सूरज बड़जात्या जी की 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ इसका अनुभव करना अविश्वसनीय रूप से खास लग रहा है।

शरवरी ने कहा, 'यह एक खूबसूरत पल जैसा लग रहा है, उस तरह के बॉलीवुड को जीने का, जिसे देखते हुए और जिसके सपने देखते हुए मैं बड़ी हुई हूं। मैं सच में इसके हर पल का आनंद ले रही हूं।

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसमें फिल्म की हल्की झलक देखने को मिली। हालांकि फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस फिल्म से राजश्री का आइकॉनिक किरदार 'प्रेम' 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है, जिसे आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं।

एसएस राजामौली ने की बेटे कार्तिकेय की तारीफ, बोले-'मुझे उनकी स्पष्ट सोच सबसे ज्यादा पसंद'

विश्व केसरी

हैदराबाद। दिग्गज फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली ने अपने बेटे एस.एस. कार्तिकेय की खासियत के बारे में बताया, जिसे वह सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। कार्तिकेय इन दिनों डायरेक्टर शशांक येलेती की अपकमिंग फैंटेसी फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' को प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में फहाद फासिल और सारा पालेकर लीड रोल में हैं।

दरअसल, चेन्नई में आयोजित फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में राजामौली भी शामिल हुए। इस दौरान उनसे पूछा गया कि फिल्म को प्रोड्यूस करते समय उन्होंने अपने बेटे को क्या सलाह दी। इस सवाल के जवाब में राजामौली ने कहा कि उन्होंने कार्तिकेय को कोई खास टिप्स नहीं दिए। इसके आगे उन्होंने अपने बेटे की एक ऐसी क्वालिटी के बारे में बताया, जिसे वह बेहद पसंद करते हैं।

राजामौली ने कहा कि कार्तिकेय की सोच में काफी क्लैरिटी है और एक बिजनेसमैन के तौर पर उनकी यह बात उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित करती है।

राजामौली ने कहा, ''कार्तिकेय में जो पहली चीज मुझे पसंद है, वह है उनकी स्पष्ट सोच। एक बिजनेसमैन के तौर पर मैं उनमें इस बात की सबसे ज्यादा तारीफ करता हूं कि जब एक रुपए का बिजनेस हो रहा होता है, तो वह अपने 50 पैसे की जितनी वैल्यू समझते हैं, उतनी ही दूसरे व्यक्ति के 50 पैसे की भी समझते हैं। वह दूसरे व्यक्ति के पैसों को भी उतनी ही अहमियत देते हैं, जितनी अपने पैसे को देते हैं। अपने बेटे की यह बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है।

'चुंबक' में रॉकस्टार बनकर धमाल मचाएंगे रोहित रॉय, कहा- असली पिक्चर बाकी है

विश्व केसरी

मुंबई। निर्देशक आतिश कपाड़िया की मल्टी-जेनरेशनल कॉमेडी ड्रामा वेब सीरीज 'चुंबक' के आगामी एपिसोड में अभिनेता रोहित रॉय 'रोनित रॉय चौधरी' के किरदार में नजर आएंगे। सोमवार को अभिनेता ने सीरीज की तारीफ करते हुए अपने किरदार के बारे में बताया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सीरीज से जुड़े कुछ सीन्स की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें अभिनेता रोहित रॉय एक रॉकस्टार और नीना गुप्ता के प्रेमी के रोल में नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने पोस्ट शेयर कर लिखा, 'अभी तो आपने रोनित रॉय चौधरी (रोहित रॉय का किरदार) की सिर्फ झलक देखी है! पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त!! चुंबक के नए एपिसोड में एक अलग तरह का रॉकस्टार आ रहा है। अगर आपने अभी तक पहले 8 एपिसोड नहीं देखे हैं तो देख लीजिए, ताकि आप बाकी के एपिसोड का मजा ले सकें। मेरे लिए नहीं, बल्कि कमाल के आतिश कपाड़िया के लिए, जिन्होंने इस बिल्कुल पागलपन भरी कहानी को लिखा और डायरेक्ट किया है।

इस सीरीज में रोहित रॉय 'रोनित रॉय चौधरी' नाम का एक दिलचस्प किरदार निभा रहे हैं। कहानी में उनका ट्रैक अभिनेत्री नीना गुप्ता के किरदार (रजनी मर्चेंट) के साथ जुड़ा हुआ है, जो कहानी में ट्विस्ट लेकर आएगा।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'चुंबक' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है, जो मुंबई के एक पुराने और मिलनसार पड़ोस के माहौल को दिखाती है। सीरीज में दिखाया गया है कि जहां पड़ोसी एक-दूसरे के मामलों में दखल तो देते हैं, लेकिन मुसीबत के समय परिवार की तरह साथ भी खड़े होते हैं। मुख्य कहानी रजनी (नीना गुप्ता) और उनके पति कुकू के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक अजीब स्थिति में तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके अलावा, कॉलोनी के अन्य परिवारों के ड्रामे, हंसी-मजाक और रोजमर्रा की समस्याएं इस कहानी को और दिलचस्प बनाती हैं। आतिश कपाड़िया द्वारा निर्देशित कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'चुंबक' में देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, संदीपा धर, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कई कलाकार हैं। यह शो 10 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रवासी कामगारों को मानवाधिकारों का पूरा संरक्षण देने की मांग उठी

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। कई देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा से कहा है कि प्रवासी कामगारों को उनके कानूनी दर्जे की परवाह किए बिना मानवाधिकारों का पूरा संरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने मानव तस्करी और शोषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और साथ ही चेतावनी दी कि लोगों की आवाजाही को केवल सुरक्षा की समस्या के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

फिलीपींस की विदेश सचिव थेरेसा लाजारो ने कहा कि लाखों प्रवासी मजदूरों ने देशों की सीमाओं के पार अर्थव्यवस्थाओं और समुदायों को बनाए रखने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उन्हें बुनियादी आजादी और खतरनाक रास्तों से प्रवास के दौरान तस्करी और शोषण से सुरक्षा पाने का अधिकार है।

फिलीपींस ने वैश्विक व्यापार को चालू रखने में प्रवासी समुद्री कर्मचारियों (सीफेयरर्स) की भूमिका पर भी जोर दिया। लाजारो ने कहा कि दुनिया का लगभग 90 प्रतिशत व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और इसमें लगभग 20 लाख समुद्री कर्मचारी मदद करते हैं। इन कर्मचारियों में से एक-चौथाई से ज्यादा फिलीपींस के लोग थे। उनकी बातों ने प्रवासी मजदूरों को सिर्फ सीमा-नियंत्रण के मुद्दे के तौर पर देखने के बजाय, वैश्विक अर्थव्यवस्था के बड़े कामकाज के हिस्से के तौर पर पेश किया।

भारत ने आम सभा में अपने भाषण के दौरान समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खाड़ी और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को प्रभावित करने वाले संघर्षों के बीच बिना रुकावट ऊर्जा और व्यापारिक प्रवाह बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यापारिक जहाजों और उनके कर्मचारियों पर हमले अस्वीकार्य हैं और उन्होंने शिपिंग और समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग की।

ट्यूनीशिया ने देशों से आग्रह किया कि वे प्रवासन (माइग्रेशन) के प्रति केवल सुरक्षा-केंद्रित संकीर्ण दृष्टिकोण से आगे बढ़ें। विदेश मंत्री मोहम्मद अली नाफ्टी ने कहा कि ट्यूनीशिया जमीन और समुद्र में अनियमित प्रवासियों को बचाने, उनकी देखभाल करने और स्वेच्छा से लौटने के इच्छुक लोगों की मदद करने का काम जारी रखे हुए है।

एआई को लेकर बिल गेट्स ने चेताया, खतरनाक ताकत ले सकती है एक अरब लोगों की जान

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ताकत को खतरनाक बताते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कराण ऐसी घटनाएं हो सकती हैं, जिनमें एक अरब लोगों की जान जा सकती है।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका में इस बात पर तेज बहस चल रही है कि एडवांस एआई के लिए सरकार को सख्त नियम बनाने चाहिए या ऐसे नियमों से बचना चाहिए, जो चीन के साथ एआई की दौड़ में अमेरिका की रफ्तार धीमी कर सकते हैं।

एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में गेट्स ने कहा कि एआई पहले की तकनीकी तरक्की से अलग है और आने वाले कुछ वर्षों में यह इंसानों से कई गुना ज्यादा बुद्धिमान हो सकती है।

गेट्स ने कहा, 'यह वास्तव में विकास की एक बहुत बड़ी घटना है। हमने एक ऐसी बुद्धिमान तकनीक बनाई है, जो कई मामलों में पहले ही हमसे ज्यादा समझदार है और अगले कुछ सालों में बहुत तेजी से आगे बढ़ते हुए हमसे कई गुना ज्यादा बुद्धिमान हो सकती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या एआई मानवता के अंत का कारण बन सकती है, तो गेट्स ने कहा, 'एआई निश्चित तौर पर इतनी ताकतवर है कि वह ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दे सकती है, जिनमें एक अरब लोगों की जान जा सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि गलत इरादा रखने वाले लोगों के हाथ में सबसे नए एआई टूल्स का होना इतना ताकतवर खतरा है, जितना पहले कोई हथियार नहीं रहा। गेट्स ने कहा कि सरकारों के पास अभी इतनी विशेषज्ञता नहीं है।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान में सड़कें बंद होने से कारोबार प्रभावित, दिहाड़ी मजदूरों का काम छूटा

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 'लॉन्ग मार्च' और धरना-प्रदर्शन की आशंका के बीच अधिकारियों की ओर से सड़कें बंद किए जाने के बाद होटल, मोटल, सराय, मैरिज हॉल, प्राइवेट हॉस्टल और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में काम करने वाले कई दिहाड़ी मजदूरों को काम से हटा दिया गया है। पाकिस्तानी अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक, सड़कें बंद होने के कारण ट्रांसपोर्ट और माल ढुलाई के टर्मिनल, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और होटल से जुड़े कारोबार प्रभावित हुए हैं। इसकी वजह से रोजाना की मजदूरी पर काम करने वाले हेल्पर, बर्तन धोने वाले कर्मचारी, वेटर, सफाईकर्मी और सैनिटेशन वर्कर्स को काम से हटाया गया है। सेंट्रल ट्रेडर्स एसोसिएशन, ट्रांसपोर्ट फेडरेशन और माल ढुलाई करने वाले ट्रांसपोर्टरों ने सरकार और विपक्ष से बातचीत के जरिए तनाव खत्म करने की अपील की है। ट्रांसपोर्ट फेडरेशन के पैट्रन-इन-चीफ हाजी जहूर अराइन ने कहा कि टर्मिनल बंद होने की वजह से ट्रांसपोर्टरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बल प्रयोग और लॉन्ग मार्च, दोनों से अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और विकास का काम रुक सकता है। उन्होंने सरकार से सभी पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की अपील की।

जम्मू-कश्मीर: कुपवाड़ा में कार सड़क से फिसलकर नदी में गिरी, 5 की मौत, 6 घायल

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एक कार तीतवाल-सिमारी सड़क पर फिसलकर किशनगंगा नदी में जा गिरी। हादसा करनाह के सिमारी इलाके में सोमवार को हुआ। घायलों को सबसे पहले इलाज के लिए उप-जिला अस्पताल तंगधार ले जाया गया। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हंदवाड़ा स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल भेजा गया। हादसे में मारे गए और घायल हुए लोगों की सही पहचान का पता लगाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कुपवाड़ा जिले में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'कुपवाड़ा में हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में लोगों की जान जाने से बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मैंने जिला प्रशासन को घायलों का हरसंभव बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।' यातायात विभाग और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में गंभीर सड़क हादसों और उनमें होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार है। अचानक ओवरटेक करना, गलत और खतरनाक तरीके से वाहन चलाना तथा लेन के नियमों का पालन न करना आमने-सामने की जानलेवा टक्कर का कारण बनता है।

ईरानी महिलाएं हिम्मती, कई क्षेत्रों में तो पुरुषों को भी पीछे छोड़ा: सुप्रीम लीडर खामेनेई

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने देश की जनता के नाम जारी संदेश में नारी शक्ति की हिम्मत को सराहा है। उन्होंने कहा है कि ईरान के मर्दों की बहादुरी को पूरी दुनिया जानती थी लेकिन अब यहां कि महिलाओं की हिम्मत भी अपनी मौजूदगी का एहसास करा रही है।

ईरान की जनता के जज्बे और हिम्मत की दाद देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले सात महीनों से, हमारे देशवासी पूरे देश में चौराहों और सड़कों पर अपनी जिम्मेदार मौजूदगी से इस्लाम के लिए लड़ने वालों का हौसला बढ़ा रहे हैं और दुश्मनों के दिलों में डर पैदा कर रहे हैं।

इस संदेश में खामेनेई आगे कहते हैं, '3 करोड़ से अधिक ईरानियों ने अपनी जान कुर्बान करने की इच्छा जाहिर की है। और जब एक खास संगठनात्मक कोशिश के तहत उनसे अपनी तैयारी की पुष्टि करने के लिए कहा गया, तो सिर्फ 100 मिनट के अंदर ही 5 लाख से ज्यादा लोगों ने तय संख्या को पूरा कर दिया। एक जमाना था जब इस जमीन के लोगों की बहादुरी की पहचान उनके मर्दों से होती थी। लेकिन आज, हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां औरतें अपनी हिम्मत भरी मौजूदगी से कई क्षेत्रों में मर्दों से आगे निकल रही हैं।'

सर्वोच्च लीडर अपने संदेश में आगे कहते हैं, 'एक समय था जब दुश्मन लगातार इस व्यवस्था की सामाजिक नींव को कमजोर करने की कोशिश करता था। लेकिन आज, हर वर्ग के लोग, अपने साफ मतभेदों के बावजूद, अपने सही रुख की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े हैं, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम इलाके की सुरक्षा का संकल्प भी शामिल है। इसके साथ ही खामेनेई ने दावा किया कि ईरानी बलों ने दक्षिणी ईरान के समुद्री क्षेत्र से 'दुश्मन ताकतों' को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया है और जल्द ही उन्हें अरब सागर से भी खदेड़ देगा।

अमेरिकी वाहनों की 'शिकारगाह' बन गया होर्मुज स्ट्रेट : हुसैन मोहब्बी

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मोहब्बी ने होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी बिना चालक वाली पनडुब्बी को पकड़ने का दावा किया। मोहब्बी ने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट अब अमेरिकी पनडुब्बी वाहनों का 'शिकारगाह' बन गया है।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मोहब्बी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला नहीं है। उन्होंने रविवार देर रात जारी एक संदेश में एक और अमेरिकी पनडुब्बी वाहन पकड़ने का दावा किया। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अमेरिका के पनडुब्बी वाहनों के लिए 'शिकारगाह' बन गया है।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, उन्होंने बताया कि? इस 'एमके 18 मॉड 2 किंगफिश' को पकड़ा गया है। यह एक एडवांस्ड एयूवी यानी बिना चालक के अपने आप पानी के नीचे चलने वाला वाहन है, जिसमें सोनार और सटीक नेविगेशन सिस्टम लगे हैं। इसकी कीमत कई मिलियन डॉलर है।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ किसी वाहन को पकड़ना नहीं है, बल्कि तकनीक और खुफिया जानकारी के लिहाज से हमारे लिए एक अहम उपलब्धि है। आईआरएनए के अनुसार, इससे पहले रविवार को आईआरजीसी ने दावा किया था कि उसकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी सेना के एक एडवांस्ड मानवरहित अंडरवॉटर व्हीकल (यूयूवी) को पकड़ लिया था।

चुनाव आयोग ने लोकतंत्र की नींव को किया कमजोर, वोटों में की धांधली : अवधेश प्रसाद

विश्व केसरी■

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने 'इंडिया' गठबंधन की बैठक, अखिलेश यादव के बयान सहित कई मामलों पर प्रतिक्रिया दी है।

'इंडिया' गठबंधन की बैठक को लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन एक बहुत बड़े मकसद के लिए बनाया गया था। इसकी बैठक 30 तारीख को होने वाली है और यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब चुनाव आयोग पर पूरी तरह से सवाल उठ रहे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब सरकार चुनाव आयोग को बचाने के लिए उसका पूरा समर्थन कर रही है। सरकार उनके भ्रष्टाचार में शामिल है, जिसके कारण कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और चुनाव आयोग की तारीफ की। अवधेश प्रसाद ने कहा, 'चुनाव आयोग ने लोकतंत्र की नींव को कमजोर किया है और वोटों में धांधली की है। आपको दूर जाने की जरूरत नहीं है। भगवान पुरुषोत्तम राम की धरती पर मिल्कीपुर उपचुनाव में पूरी तरह से धांधली हुई। वोट का अधिकार बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर ने दिया है। उस अधिकार से वंचित करने का काम चुनाव आयोग ने किया है। किसी देश में लोकतंत्र कितना मजबूत है, उसकी जड़ें कितनी मजबूत हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उस देश में चुनाव आयोग कितना स्वतंत्र है।'

सपा सांसद ने आगे कहा, 'दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि देश का चुनाव आयोग न तो निष्पक्ष, न तो स्वतंत्र है, बल्कि सरकार के साथ हाथ में हाथ मिलाकर कंधे से कंधा मिलाकर पूरी तरह से वोट लूटने का काम कर रहा है। इससे बड़ा अपराध नहीं हो सकता।'

बारिश की वजह से फसलें बर्बाद होने पर अवधेश प्रसाद ने कहा, 'मैं सरकार से मांग करता हूं कि राज्य भर में किसानों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

मध्य प्रदेश : सरकार ने राज्य शिक्षा विभाग में कर्मचारियों के कल्याण के उपाय बढ़ाए

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपाय बढ़ा दिए हैं। पिछले चार-पांच दिनों में मृत कर्मचारियों के आश्रितों के लिए अनुकंपा नियुक्ति के 851 आदेश जारी किए गए हैं।

सोमवार को जारी बयान में कहा गया कि लंबे समय से लंबित मामलों को सुलझाने और पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता देने की कोशिशों के तहत, विभाग ने दो दिन पहले ऐसे 251 आदेश जारी किए, जिससे हालिया कुल संख्या 851 हो गई है।

सरकार ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कैंप भी शुरू किए हैं, जहां शिक्षक और कर्मचारी अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं, ताकि उनके लंबित मुद्दों का तेजी से समाधान हो सके।

बयान में कहा गया, 'मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में, मध्य प्रदेश सरकार संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय और जन-कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर जमीनी स्तर पर सुशासन की अवधारणा को साकार करने के लिए काम कर रही है। कर्मचारियों पर केंद्रित ये उपाय शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने की सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं, जिसमें छात्रों और शिक्षकों दोनों पर ध्यान देना शामिल है। बयान में आगे बताया गया कि सरकार तकनीक, बुनियादी ढांचे और रोजगार-उन्मुख कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें कहा गया, 'मृतक शिक्षकों और कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए लंबे समय से लंबित अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में तेजी लाई गई है।'

बिहार में गंडक नदी उफान पर, वाल्मीकिनगर बराज से 4.79 लाख क्यूसेक छोड़ा गया पानी

विश्व केसरी■

पटना। नेपाल के तराई इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बिहार में एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद गंडक नदी के तटवर्ती इलाकों में स्थिति संवेदनशील हो गई है। सोमवार सुबह नौ बजे गंडक बराज से 4,79,100 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। हालांकि, पिछले दो घंटे के आंकड़ों के आधार पर बराज का डिस्चार्ज गिरता हुआ दर्ज किया गया है।

जल संसाधन विभाग के 28 सितंबर के आंकड़ों के अनुसार, सुबह छह बजे वाल्मीकिनगर गंडक बराज से 5,10,550 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। सात बजे यह घटकर 4,97,200 क्यूसेक हुआ और आठ बजे भी इतना ही रहा। सुबह नौ बजे डिस्चार्ज घटकर 4,79,100 क्यूसेक रह गया।

विभाग ने गंडक बराज के जल प्रवाह का रुझान 'फॉलिंग' दर्ज किया है। लगातार भारी डिस्चार्ज के कारण गंडक नदी के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ और कटाव का खतरा बढ़ गया है। पूर्वी चंपारण के अरेराज अनुमंडल के गंडक दियारा और तटीय क्षेत्रों में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। पिछले दो दिनों से नदी में पानी बढ़ने के कारण निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ने की आशंका है।

वहीं, पश्चिम चंपारण के बगहा शहर में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, भाजपा ने स्पीकर अब्दुल रहीम को हटाने के लिए दिया अविश्वास नोटिस

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की कार्यवाही के दौरान भाजपा ने स्पीकर अब्दुल रहीम राथर को उनके पद से हटाने के लिए एक नोटिस पेश करने की बात कही।

उधमपुर ईस्ट से भाजपा विधायक आर.एस. पठानिया ने स्पीकर को बताया कि भाजपा ने उन्हें पद से हटाने के लिए नोटिस दिया है। पठानिया ने सदन में स्पीकर को जानकारी दी कि पार्टी ने स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए संबंधित नियमों के तहत एक नोटिस सौंपा है। हालांकि, स्पीकर ने कहा कि उन्हें हटाने के लिए दिए गए नोटिस को सदन की प्रक्रिया के अनुसार वोटिंग के लिए लिस्ट करना होगा, और 'प्रश्न काल' के दौरान इस पर विचार नहीं किया जा सकता।

इससे भाजपा विधायक नाराज हो गए और सदन के बीचों-बीच (वेल में) आकर नारेबाजी करने लगे। हालांकि, स्पीकर ने 'प्रश्न काल' जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि एनसी और कांग्रेस विधायकों ने सवाल पूछे, जिनका जवाब स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू और ग्रामीण विकास मंत्री जावेद राणा ने दिया।

विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने सदन में एक छोटा भाषण दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव में एनसी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा देश के संविधान की भावना के खिलाफ है और इसलिए भाजपा को मंजूर नहीं है।

सुनील शर्मा ने साफ किया कि भाजपा जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने पर बहस के लिए तैयार है, लेकिन अनुच्छेद 370, स्वायत्तता या 1953 से पहले की स्थिति पर किसी भी चर्चा का विरोध करेगी। शर्मा की ये बातें मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के राज्य का दर्जा बहाल करने वाले प्रस्ताव को लेकर चल रहे राजनीतिक टकराव के बीच आई हैं।

गुलवीर सिंह का दूसरा मेडल, 10000 मीटर के बाद 1500 मीटर दौड़ में जीता 'सिल्वर'

विश्व केसरी ■

नागोया। 'एशियन गेम्स 2026' में भारत के लॉन्ग-डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने दूसरा सिल्वर मेडल हासिल किया। 25 सितंबर को 10,000 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान हासिल करने के बाद, सोमवार को गुलवीर ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में एक और सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

उत्तर प्रदेश के अतरौली गांव के रहने वाले गुलवीर ने 1500 मीटर रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3:36.72 के अपने पर्सनल बेस्ट समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय एथलीट के अलावा, पोडियम पर जगह बनाने वाले शेष दो जापानी एथलीट काजुतो इजावा और नागिया मोरी थे। इजावा ने 3:36.35 के एशियन गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। वह गुलवीर से सिर्फ 0.37 सेकंड आगे रहे, जबकि मोरी 3:37.92 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एशियन गेम्स में गुलवीर का यह तीसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने 10,000 मीटर फाइनल में सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले, 2023 हांगझोऊ खेलों में भी 10,000 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर चुके थे। गुलवीर ने पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में दो एशियन गेम्स मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बनकर भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में अपना का अपना सीजन का बेस्ट समय निकाला, लेकिन गोल्ड मेडल जीतने वाले जापान के युंजी मिउरा से 4.31 सेकंड पीछे रह गए। जापान के योंमा आओकी, 8:17.60 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कतर के जकारिया इलाहलामी 8:18.13 के समय के साथ तीसरा स्थान अपने नाम किया।

1500 मीटर फाइनल की बात करें तो, यूनुस शाह भी अपनी हीट में तीसरे स्थान पर रहने के बाद मेडल की दौड़ में शामिल थे। 1500 मीटर हीट की ओवरऑल टाइमिंग में, उनका प्रदर्शन गुलवीर से भी बेहतर था। यूनुस ने 3:45.77 का समय लिया, जबकि गुलवीर ने अपनी हीट में 3:45.79 का समय लिया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए।

नाम दर्ज कराया है।

वहीं, भारत के अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में मेडल जीतने में नाकाम रहे। वह चौथे स्थान पर रहे। साबले ने 8:21.67

लवलीना ने बॉक्सिंग में पक्का किया एक और मेडल, क्वार्टर फाइनल में सियोंग को हराया

विश्व केसरी ■

निशियो। भारत की स्टार बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने सोमवार को निशियो जिम्नेजियम में कोरिया की सियोंग सुयोन के खिलाफ महिलाओं के 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 5-0 से शानदार जीत हासिल कर एशियन गेम्स 2026 में अपना मेडल पक्का कर लिया है।

लवलीना ने इस जीत के साथ ही सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। पिछले एशियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट बोरगोहेन ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपना दूसरा एशियन गेम्स मेडल पक्का कर लिया है। दोनों ही खिलाड़ियों ने मुकाबले की शुरुआत डिफेंसिव अंदाज में की, लेकिन भारतीय बॉक्सर ने कुछ सटीक पंच लगाकर पहला राउंड 5-0 से अपने नाम किया। बोरगोहेन ने अपनी लंबे कद का फायदा उठाया और कुछ काउंटर पंच व जैब लगाकर दूसरा राउंड भी जीत लिया।

भारतीय बॉक्सर ने आखिरी राउंड में भी अपनी लय बनाए रखी और एशियन गेम्स 2010 की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट पर जबरदस्त प्रहार किए। इसके बाद तीसरा राउंड भी 5-0 से जीतकर उन्होंने मुकाबला अपने नाम किया। सभी जजों ने उनके पक्ष में 30-27 का स्कोर दिया। मौजूदा एशियन गेम्स में यह ऐसा चौथा मेडल है, जो भारत को मुक्केबाजी में मिलना पक्का हो गया है। नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के +90 किग्रा कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में अथापोंग सेंगटेप को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए देश के लिए तीसरा मेडल पक्का किया था।

इससे पहले, अंकुश पांघल और परवीन हुड्डा भी अपनी-अपनी कैटेगरी में मेडल पक्का कर चुके हैं। मौजूदा कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलिमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया था। वहीं, परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबखोर खमिदोवा को 5-0 से हराकर मेडल पक्का किया है।

भारतीय खिलाड़ी ने सोच-समझकर खेलते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने अपनी पहुंच और स्पीड का इस्तेमाल करके खमिदोवा को दूर रखा और सही मौके पर पंच मारे। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 की सिल्वर मेडलिस्ट उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को अपनी छाप छोड़ने में संघर्ष करना पड़ा, जबकि परवीन ने तेज कॉम्बिनेशन और काउंटर-अटैक के दम पर सभी पांच जजों के स्कोरकार्ड पर मुकाबला अपने नाम किया था।

400 मीटर हर्डल्स में विथ्या रामराज ने रचा इतिहास जीता ब्रॉन्ज

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। रामराज ने रोमांचक फाइनल में 54.75 सेकंड के साथ अपना अब तक का पर्सनल बेस्ट निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इसी के साथ साथ विथ्या ने दिग्गज भारतीय एथलीट पीटी उषा के 42 साल पुराने नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

भारतीय एथलीट पूरी रेस के दौरान मेडल की दौड़ में बनी रहीं। उन्होंने अंतिम क्षणों में भी अपनी स्थिति बनाए रखी, लेकिन वह मरियम करीम का मुकाबला नहीं कर सकीं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के गेम्स-रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जम्स ने 54.58 सेकंड के अपने पर्सनल बेस्ट समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।

विथ्या रामराज ने 55.42 सेकंड के पिछले नेशनल रिकॉर्ड में 0.67 सेकंड का सुधार किया। यह रिकॉर्ड उषा ने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बनाया था, जहां वह ओलंपिक फाइनल में चौथे स्थान पर रही थीं।

एमएलएस: मेसी का गोल भी नहीं टाल सका इंटर मियामी की हार, कोलंबस क्रू ने 2-1 से दर्ज की जीत

विश्व केसरी ■

कोलंबस। इंटर मियामी सीएफ को एमएलएस रेगुलर सीजन के मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर कोलंबस क्रू के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सोमवार को स्कॉट्स मिरेकल-ग्रो फील्ड में खेले गए इस मैच में इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने शानदार फ्री-किक के जरिए टीम का एकमात्र गोल किया। हालांकि, मेसी के गोल के बावजूद उनकी टीम हार टाल नहीं सकी।

कोलंबस क्रू ने मैच के 28वें मिनट में पेनल्टी के जरिए पहला गोल कर बढ़त बना ली। हालांकि, इंटर मियामी ने सिर्फ पांच मिनट बाद शानदार वापसी की। कप्तान लियोनेल मेसी ने मैदान के दाहिने छोर से मुश्किल एंगल पर मिली फ्री-किक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। मेसी का यह सीजन का 21वां गोल था। इसके साथ ही उन्होंने 2026 एमएलएस गोल्डन बूट की दौड़ में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

दूसरे हाफ में इंटर मियामी की ओर से एक खिलाड़ी ने डेब्यू किया। हाल ही में टीम से जुड़े ब्राजील के विंगर रिकेल्मे फिलिपी 71वें मिनट में फाकुंडो मुरा की जगह मैदान पर उतरे और क्लब के लिए अपना पहला मैच खेला। मैच के आखिरी पलों में कोलंबस क्रू ने स्टॉपेज टाइम में गोल करते हुए मैच में 2-1 की बढ़त बनाई और जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद, इंटर मियामी का इस एमएलएस रेगुलर सीजन में प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। टीम ने 12 जीत, पांच हार और 10 ड्रॉ के साथ 46 अंक जुटाए हैं। इसी के साथ वह ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है।

मौजूदा एमएलएस एमवीपी अवॉर्ड और गोल्डन बूट विजेता लियोनेल मेसी इस सीजन शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक 20 गोल किए हैं, जो इंटर मियामी और पूरी लीग में सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वह 2026 एमएलएस गोल्डन बूट की दौड़ में भी सबसे आगे चल रहे हैं।गोल करने के अलावा मेसी अपनी टीम के लिए मौके बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस एमएलएस रेगुलर सीजन में उन्होंने 13 असिस्ट भी किए हैं, जो लीग में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंटर मियामी ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में शीर्ष टीमों में शामिल है।

पिछले वीकेंड सीएफ मॉन्ट्रियल को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से हराने के बाद कोलंबस क्रू पूरे आत्मविश्वास के साथ इंटर मियामी के खिलाफ मैदान में उतरा। इस जीत ने टीम का मनोबल बढ़ाया था और क्लब इंटर मियामी के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, इस सीजन में कोलंबस क्रू का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है।

बॉक्सिंग में भारत का छठा मेडल पक्का, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा सेमीफाइनल में बनाई जगह

विश्व केसरी ■

निशियो। मुक्केबाज कपिल पोखरिया ने 'एशियन गेम्स 2026' में पुरुषों के 90 किलोग्राम वर्ग में देश के लिए इस खेल का छठा मेडल सुनिश्चित कर लिया है। कपिल ने सोमवार को निशियो जिम्नेजियम में खेले गए क्वार्टरफाइनल में साउथ कोरिया के किम गिचे पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के गोल्ड मेडलिस्ट तुराबेक खबीबुल्लाएव से होगा।

इस मुकाबले में कपिल का दबदबा रहा और उन्होंने सभी पांच जजों के वोट जीते। चार जजों ने उन्हें 30-27 और एक जज ने 30-26 का स्कोर दिया।

भारतीय बॉक्सर ने अपने सटीक और जोरदार पंचों की बदौलत पहला राउंड 5-0 से जीता। कपिल ने दूसरे राउंड में भी अपना दबदबा बनाए रखा और किम के खिलाफ 'स्टैंडिंग काउंट' की स्थिति भी पैदा की, जिससे यह राउंड भी 5-0 से उनके नाम रहा। तीसरे राउंड में कपिल ने समझदारी से कभी-कभी पंच मारे, क्योंकि उन्हें पता था कि वे पिछले दो राउंड में ही जीत और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं।

एशियन गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। सोमवार को रिंग में उतरे तीनों बॉक्सरों ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

ईशा ने 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीता सिल्वर

विश्व केसरी ■

टोयोटा। भारत की निशानेबाज ईशा सिंह ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अत्यधिक दबाव के बीच ईशा ने गजब के मानसिक संतुलन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान उन्हें कई बार कठिन शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और दृढ़ संकल्प के साथ दूसरा स्थान हासिल कर देश को गौरवान्वित किया।

एशियन गेम्स में ईशा का यह तीसरा सिल्वर मेडल है। इससे पहले उन्होंने हांग्जो 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में सिल्वर मेडल जीता था। ईशा ने 580-22× के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए मुश्किल से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। हालांकि, मेडल राउंड शुरू होते ही भारतीय खिलाड़ी ने उस शुरुआती संघर्ष को पीछे छोड़ दिया और फाइनल की शुरुआत अपने पांच शॉट्स में पांच परफेक्ट हिट्स के साथ की।

शुरुआती दौर में वह लीडर्स में बनी रहीं, लेकिन टॉप पर मुकाबला बार-बार कड़ा होता रहा। चीन की जिओ जियारुइक्सुआन लगातार परफेक्ट सीरीज के साथ आगे बढ़ गईं, जबकि उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक भी मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी रहीं। एलिमिनेशन राउंड में और भी उतार-चढ़ाव आए। तीन हिट्स के बाद ईशा स्टैंडिंग में नीचे खिसक गईं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 5/5 का स्कोर किया और खुद को मुकाबले में बनाए रखा। जब वियतनाम की ट्रिन्ह थू विन्ह बाहर हुईं, तो भारतीय खिलाड़ी का मेडल पक्का हो गया।

इसके बाद ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला ईशा और किम के बीच शूट-ऑफ के एक असाधारण क्रम में बदल गया, क्योंकि दोनों 34 हिट्स पर बराबरी पर थीं। दोनों शूटर्स ने शुरुआत में तीन-तीन हिट्स किए, जिससे एक और शूट-ऑफ की स्थिति बन गई। एक तकनीकी रुकावट ने तनाव और बढ़ा दिया, जिसके बाद सिंगल-शॉट की स्थिति के साथ मुकाबला फिर से शुरू हुआ। आखिरकार ईशा ने बाजी मारी और ब्रॉन्ज मेडल की स्थिति पक्की की और गोल्ड के लिए जिओ से मुकाबला करने का हक हासिल किया।

फाइनल मुकाबला भी उतना ही रोमांचक रहा। जिओ और ईशा के बीच सिर्फ एक हिट का अंतर था, तभी भारतीय खिलाड़ी ने चार हिट्स लगाकर एक और शूट-ऑफ की स्थिति बना दी। इसके बाद दोनों शूटर्स ने चार-चार हिट्स किए, जिससे मुकाबला एक और शूट-ऑफ में चला गया। गोल्ड मेडल बस मिलने ही वाला था कि ईशा ने दो हिट किए, जबकि शियाओ ने तीन हिट किए, जिससे भारतीय खिलाड़ी को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। उनके कुल स्कोर 38 तक पहुंचे, जो 2023 में हांग्जो एशियन गेम्स में चीन की लियू रुई द्वारा बनाए गए 38 हिट के गेम्स रिकॉर्ड के बराबर था।

इस मेडल के साथ ईशा की तेजी से बढ़ती उपलब्धियों की सूची में एक और कामयाबी जुड़ गई है। भारतीय खिलाड़ी के नाम अभी महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने मई में म्यूनिख वर्ल्ड कप में 43 हिट किए थे और वह अभी वर्ल्ड नंबर एक भी हैं। ईशा का सिल्वर मेडल भारत के लिए शूटिंग रेंज में एक रोमांचक सुबह का समापन था, जो टीम फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया। टीम फाइनल में एक जरूरी टारगेट चूकने के कारण भारतीय महिलाएं पांचवें स्थान पर रहीं।

भारतीय टीम में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर, एशियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट ईशा सिंह और कई बार की एशियन गेम्स की मेडलिस्ट राही सरनोबत शामिल थीं। प्रिसिजन और रैपिड इवेंट्स में उनका कुल स्कोर 1727-56× रहा और एक और मेडल हाथ से निकल गया।

बॉक्सर प्रिया घांघस की विमेंस 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जीत

विश्व केसरी ■

निशियो। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बॉक्सर प्रिया घांघस ने सोमवार को ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा के खिलाफ महिलाओं के 60 किलोग्राम कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में 5-0 से सर्वसम्मति से जीत हासिल की। इसी के साथ प्रिया ने अपना मेडल भी पक्का कर लिया है।

निशियो जिम्नेजियम में प्रिया पहले राउंड के बाद 2-3 से पीछे चल रही थीं, लेकिन अगले दो राउंड में वापसी करते हुए उन्होंने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की और कम से कम ब्रॉन्ज मेडल सुनिश्चित किया।

प्रिया और समदोवा दोनों ने पहले राउंड में जबरदस्त प्रदर्शन किया। संभलकर शुरुआत करने के बाद, ताजिक बॉक्सर ने कुछ पंच मारे, जबकि प्रिया ने भी आखिरी 90 सेकंड में कुछ पंच जड़े। हालांकि, हांगझोऊ गेम्स में 57 किलोग्राम कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली समदोवा ने पहला राउंड 3-2 से जीता। दूसरे राउंड में

प्रिया ज्यादा आक्रामक दिखीं और उन्होंने कुछ अच्छे कॉम्बिनेशन पंच मारे, साथ ही ताजिक बॉक्सर को एक प्वाइंट्स की पेनाल्टी भी मिली। प्रिया ने दूसरा राउंड 5-0 से जीता और समदोवा को पेनाल्टी मिली। आखिरी राउंड में ताजिक बॉक्सर जीत के लिए बेताब दिखीं और उन्होंने पूरी ताकत लगा दी। उनके कुछ पंच लगे, लेकिन जब प्रिया ने समदोवा को बैकफुट पर देखा तो उन्होंने भी कुछ पंच मारे और भारतीय बॉक्सर ने तीसरा राउंड भी 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने प्रिया के पक्ष में वोट दिया; तीन जजों ने स्कोर 29-27 प्रिया के पक्ष में दिया और दो जजों ने तीनों राउंड में उन्हें 30-26 का स्कोर दिया।

अब सेमीफाइनल में प्रिया का मुकाबला एक बहुत मजबूत प्रतिद्वंद्वी से होगा। गोल्ड मेडल मैच में जगह बनाने के लिए बुधवार को उनका सामना चीन की यांग चेंग्यु से होगा। चेंग्यु दो बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट हैं; उन्होंने 2023 एआईबीए वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

बोइंग 737 मैक्स में सॉफ्टवेयर की समस्या से परिचालन में सुरक्षा को कोई जोखिम नहीं : अकासा एयर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अकासा एयर ने सोमवार को कहा कि बोइंग 737 मैक्स जेट में सॉफ्टवेयर की समस्या को लेकर वह एयरक्राफ्ट मैन्युफक्चरर से बातचीत कर रही है और इससे परिचालन में सुरक्षा को कोई जोखिम नहीं है।

एयरलाइन का यह बयान बोइंग के उस खुलासे के बाद आया है जिसमें बताया गया था कि लैंडिंग की एक खास स्थिति में, सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण पायलट ऑटोमेटेड फ्लाइट गाइडेंस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

बोइंग ने इस मामले के बारे में सभी 737 ऑपरेटरों को पहले ही जानकारी दे दी है और समस्या को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए एक सॉफ्टवेयर अपडेट पर काम कर रहा है।

इस मुद्दे को लेकर जताई गई चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए, आकासा एयर ने कहा कि उसके विमान सुरक्षित रूप से और सभी रेगुलेटरी जरूरतों का पालन करते हुए उड़ान भर रहे हैं।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'हम बोइंग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और यह पक्के तौर पर कह सकते हैं कि अकासा एयर के परिचालन की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा है। हमारे विमान तय प्रक्रियाओं और लागू नियमों के अनुसार सुरक्षित रूप से उड़ान भर रहे हैं। हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।'

हालांकि, अकासा एयर ने यह साफ नहीं किया कि क्या उसके बेड़े में मौजूद किसी विमान पर इस सॉफ्टवेयर समस्या का सीधा असर पड़ा है।

यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन, अकासा एयर, अपनी विस्तार योजना के तहत 200 से ज्यादा और बोइंग 737 मैक्स विमानों का ऑर्डर देने की योजना बना रही है।

बोइंग के एक प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी ने पिछले महीने सभी 737 ऑपरेटरों को इस समस्या के बारे में सूचित कर दिया था, क्योंकि कंपनी ने एक ऐसी स्थिति की पहचान की थी जिसमें लैंडिंग के एक विशेष चरण के दौरान पायलटों को ऑटोमेटेड फ्लाइट गाइडेंस उपलब्ध नहीं हो सकता था। विमान निर्माता के अनुसार, जब तक कोई स्थायी समाधान नहीं आ जाता, तब तक मौजूदा पायलट प्रक्रियाएं ऐसी स्थितियों को सुरक्षित रूप से संभालने के लिए पर्याप्त हैं।

बोइंग ने कहा, 'हमने ऑपरेटरों के साथ ऐसी जानकारी साझा की है जिससे ऐसी स्थितियों को सुरक्षित रूप से संभालने के लिए मौजूदा पायलट प्रक्रियाओं को और मजबूत किया जा सके। हमारे इंजीनियर इस समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए एक सॉफ्टवेयर अपडेट पर काम कर रहे हैं।

विश्व रेबीज दिवसः हर नौ मिनट में एक व्यक्ति की मौत, 'प्राणघातक' वायरस से ऐसे करें बचाव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हर वर्ष 28 सितंबर को विश्व रेबीज दिवस मनाया जाता है। यह दुनिया का पहला रेबीज टीका विकसित करने वाले फ्रांसीसी वैज्ञानिक लुई पाश्चर की पुण्यतिथि अवसर पर मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य रेबीज जैसी घातक बीमारी और उसके रोकथाम के ऊपायों के बारे में जागरूक करना है। वर्ष 2030 तक कुत्तों से होने वाले रेबीज से इंसानों की मौत को पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य है।

विश्व रेबीज दिवस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया, 'आज विश्व रेबीज दिवस है। हर नौ मिनट में एक व्यक्ति की मौत रेबीज से होती है, जबकि इसे 100 प्रतिशत रोका जा सकता है। अपने कुत्ते को हर वर्ष वैक्सीन लगवाकर खुद को और अपने प्यारे डॉगी को सुरक्षित रखें। यह भी पक्का करें कि जिन लोगों को काटा गया है, उन्हें भी जान बचाने वाली वैक्सीन मिल सके!'

डब्ल्यूएचओ की ओर से रेबीज के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। रेबीज मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका में सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक गंभीर समस्या है। यह एक वायरल, जूनोटिक (जानवरों से इंसानों में फैलने वाली) और नजरअंदाज की गई ट्रॉपिकल बीमारी है, जिससे हर वर्ष हजारों लोगों की मौत होती है। इनमें से 40 प्रतिशत मौतें 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होती हैं। इंसानों में रेबीज के 99 प्रतिशत मामले कुत्तों के काटने या खरोंचने से होते हैं। कुत्तों का टीकाकरण करके और काटने से बचाव करके इसे रोका जा सकता है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एक बार जब वायरस सेंट्रल नर्वस सिस्टम (केंद्रीय तंत्रिका तंत्र) को संक्रमित कर देता है और बीमारी के लक्षण दिखाई देने लगते हैं, तो रेबीज के सभी मामलों यानी 100 प्रतिशत केस में मौत निश्चित होती है। लेकिन वायरस को सेंट्रल नर्वस सिस्टम तक पहुंचने से रोककर और तुरंत 'पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस' (पीईपी) देकर रेबीज से होने वाली मौतों को रोका जा सकता है।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, पीईपी में घाव को अच्छी तरह धोना, ह्यूमन रेबीज वैक्सीन का कोर्स देना और जरूरत पड़ने पर रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन (आरआईजी) या मोनोक्लोनल एंटीबॉडी (आरएमएबी) देना शामिल है। अगर किसी व्यक्ति को रेबीज होने की आशंका वाले जानवर ने काटा या खरोंचा है, तो उसे तुरंत घाव को कम से कम 15 मिनट तक साबुन और पानी से धोना चाहिए और डॉक्टर से इलाज करवाना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और उसके ग्लोबल पार्टनर्स ने कुत्तों से फैलने वाले रेबीज से इंसानों की मौत को खत्म करने का लक्ष्य रखा है।

नाश्ते में करते हैं ये 4 गलतियां तो पूरे दिन रहेगी थकान, आज ही सुधारें आदत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिन की शुरुआत हम जिस चीज से करते हैं, उसका असर पूरे दिन की ऊर्जा और काम करने की क्षमता पर पड़ता है। सुबह का नाश्ता शरीर के लिए दिन का पहला ईंधन माना जाता है। रातभर के लंबे अंतराल के बाद जब हम सुबह कुछ पौष्टिक खाते हैं, तो शरीर को काम करने के लिए ऊर्जा मिलती है। लेकिन कई बार जल्दबाजी, व्यस्त दिनचर्या या स्वाद के चक्कर में हम नाश्ते से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो सेहत पर उल्टा असर डाल सकती हैं।

सुबह की सबसे आम गलती है नाश्ता न करना है। कई लोग वजन कम करने या समय की कमी के कारण नाश्ता नहीं करते और सीधे दोपहर का खाना खाते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने से कुछ लोगों को सुबह कमजोरी, थकान या ध्यान लगाने में परेशानी महसूस हो सकती है। खासकर जिन लोगों का दिन शारीरिक या मानसिक मेहनत वाला होता है, उनके लिए सुबह संतुलित भोजन लेना फायदेमंद हो सकता है।

इसलिए कोशिश करें कि सुबह कुछ पौष्टिक जरूर खाएं। बहुत ज्यादा समय न हो तो फल, दही, अंडे, पोहा, उपमा या ओट्स जैसे आसान विकल्प लिए जा सकते हैं।

सुबह के नाश्ते में मीठी चीजों का ज्यादा इस्तेमाल भी अच्छी आदत नहीं है। बाजार में मिलने वाले कई बिस्किट, पेस्ट्री, डोनट या मीठे पेय पदार्थों में रिफाइंड शुगर की मात्रा ज्यादा हो सकती है। ऐसी चीजें खाने से तुरंत ऊर्जा महसूस हो सकती है, लेकिन यह हमेशा लंबे समय तक पेट भरा रखने का बेहतर तरीका नहीं है।

नाश्ते में ज्यादा चीनी की जगह फल, साबुत अनाज और अन्य पौष्टिक चीजों को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

सिर्फ कार्बोहाइड्रेट वाला नाश्ता करने से जल्दी भूख लग सकती है। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि भोजन में पर्याप्त प्रोटीन नहीं है। प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है और संतुलित डाइट का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बजाय नाश्ते में अंडा, दही, पनीर, दूध, दाल, चना, मूंग या अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल किए जा सकते हैं। इससे नाश्ता ज्यादा संतुलित बन सकता है।

भारत में बहुत से लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है। कुछ लोग तो नाश्ता करने से पहले ही एक या दो कप चाय पी लेते हैं। लेकिन ऐसा करने से कुछ लोगों में एसिडिटी या पेट की परेशानी बढ़ सकती है।

अगर आपको पहले से गैस या एसिडिटी की शिकायत रहती है, तो खाली पेट चाय पीने की आदत पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर है कि सुबह चाय के साथ या उससे पहले कुछ हल्का खा लिया जाए।

नटराजासन से पहले जरूर करें ये 7 पूर्वाभ्यास, इन स्टेप्स से शरीर को बनाएं सेहतमंद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में किसी भी कठिन आसन को सीधे करने से पहले शरीर को उसके लिए तैयार करना बहुत जरूरी होता है, जिसे पूर्व-अभ्यास कहा जाता है। नटराजासन पूरे शरीर का संतुलन एक पैर पर होता है, इसलिए इसे करने के लिए पैरों, कूल्हों, कमर, कंधों और छाती में पर्याप्त लचीलापन होना चाहिए। भगवान शिव के नटराज स्वरूप को समर्पित एक बेहद सुंदर, संतुलन और एकाग्रता वाला आसन है। इस आसन को बिना किसी तैयारी के करने से चोट लगने का डर रहता है। इसलिए नटराजासन का अभ्यास करने से पहले कुछ सरल आसनों और स्ट्रेचिंग से शरीर को खोलना और संतुलन साधना आवश्यक है।

सूर्यनमस्कार, वृक्षासन, आंजनेयासन, धनुरासन, भुजंगासन, वीरभद्रासन, एकपाद राजकपोतासन कुछ ऐसे योगाभ्यास हैं, जिन्हें नटराजासन से पूर्व करना चाहिए। सूर्य नमस्कार- नटराजन से पूर्व सूर्य नमस्कार शरीर को वार्म-अप, लचीलापन बढ़ाने और संतुलन के लिए तैयार करने के लिए किया जाता है। नटराजासन एक मध्यम स्तर का, संतुलन आधारित और पीठ को पीछे की ओर मोडने वाला कठिन योगासन है। इसे सीधे करने से मांसपेशियों में खिंचाव या चोट आ सकती है।

वृक्षासन- एक पौर पर संतुलन बनाने की क्षमता बढ़ाता है, जो नटराजासन के लिए सबसे बुनियादी जरूरत है।

आंजनेयासन- यह आसन शरीर को नटराजासन की गहरी और कठिन मुद्रा के लिए पूरी तरह तैयार करता है। साथ ही, यह हिप फ्लेक्सर्स और जांघों के सामने के हिस्से को गहरा स्ट्रेच देता है।

धनुरासन- योग विज्ञान के अनुसार, धनुरासन एक 'फाउंडेशन बैकबेंड' (बुनियादी पीछे झुकने वाला आसन) है जो शरीर को नटराजासन जैसे अधिक कठिन और एडवांस संतुलन वाले आसन के लिए पूरी तरह तैयार करता है। यह कंधों, छाती और जांघों को एक साथ स्ट्रेच करता है।भुजंगासन- नटराजन आसन में एक पैर पर खड़े होकर शरीर को पीछे की ओर खींचना होता है, जिसके लिए मजबूत पीठ और बेहतर संतुलन की आवश्यकता होती है।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सुप्त विरासन, कमर दर्द और थकान से मिलेगा आराम, मन होगा शांत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) को सुधारने के साथ-साथ मन को भी गहरी शांति प्रदान करते हैं। 'सुप्त वीरासन' उन्हीं विशेष आसनों में से एक है। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी और कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, साथ ही जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव (स्ट्रैच) भी आता है।

सुप्त विरासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सुप्त' का अर्थ है लेटा या सोया हुआ और 'विरासन' का अर्थ है वीर या योद्धा की मुद्रा में बैठना। इस आसन में विरासन में बैठकर पीछे की ओर लेटा जाता है, जिससे शरीर को एक गहरा स्ट्रेच और पूर्ण विश्राम का अनुभव होता है।

यह न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि थके हुए पैरों को आराम, कमर दर्द से राहत और मन को गहरी शांति प्रदान करता है।

आयुष मंत्रालय ने 'सुप्त वीरासन' को महत्वपूर्ण योगासन बताया है, जिसे सामान्य बोलचाल या कुछ क्षेत्रीय ग्रंथावलियों में 'सुप्त वज्रासन' से मिलता-जुलता या इसका ही एक रूप माना जाता है। यह आसन शरीर को नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए एक बेहतरीन पुनर्स्थापनात्मक अभ्यास है।

यह पेट की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन शक्ति दुरुस्त होती है और कब्ज आदि में राहत मिलती है।

हाई ब्लड प्रेशर को न करें नजरअंदाज, इन आसान आदतों से रखें इसे कंट्रोल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) ऐसी समस्या है, जो कई बार बिना किसी स्पष्ट लक्षण के लंबे समय तक शरीर में बनी रह सकती है। व्यक्ति रोजमर्रा का काम सामान्य तरीके से करता रहता है और उसे महसूस भी नहीं होता कि बढ़ा हुआ रक्तचाप धीरे-धीरे उसके दिल, रक्त वाहिकाओं और किडनी पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। यही वजह है कि हाई ब्लड प्रेशर को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर का पता लगाने का सबसे आसान तरीका नियमित रूप से रक्तचाप की जांच करना है। खासकर जिन लोगों को पहले से उच्च रक्तचाप है, उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार इसकी निगरानी करते रहना चाहिए। नियमित जांच से ब्लड प्रेशर में होने वाले बदलावों पर समय रहते ध्यान दिया जा सकता है।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहना स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने में मदद कर सकता है। रोज करीब 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि, जैसे तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने की आदत को भी कम करने की कोशिश करें।

ज्यादा नमक का सेवन रक्तचाप बढ़ सकता है। इसलिए खाने में नमक की मात्रा कम करना जरूरी है। संतुलित और पौष्टिक आहार लें तथा संतृप्त और ट्रांसफैट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। फल, सब्जियां और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

अगर डॉक्टर ने हाई ब्लड प्रेशर की दवा लिखी है, तो उसे अपनी मर्जी से बंद या कम नहीं करना चाहिए। दवा निर्धारित समय और मात्रा में लेना जरूरी है। कई बार ब्लड प्रेशर सामान्य आने पर लोग दवा छोड़ देते हैं, लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

इसके अलावा, धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों से दूरी बनाना दिल और रक्त वाहिकाओं की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168
Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home
Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी
Diwali Special Offer
पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्प्रेयर, स्प्रेयर
निर्माण कार्य | कृषि कार्य | ग्रामीण क्षेत्र | उद्योग एवं प्रोसेसिंग | सिंचाई एवं बागवानी | किसानों हेतु उपयुक्त
निर्माता व विक्रेता :
वीनस मशीनरी
चित्रकांत बघेल (डायरेक्टर)
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजु में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक
एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी
सस्ते दामों में उपलब्ध
पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये
बजाज फाईनेंस की सुविधा उपलब्ध
गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure
Noorjaha Prime
DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN
City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993
: H.O. :
• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994
: OUTLETS :
• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की नाराजगी से विकास की उम्मीदों पर चर्चा

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के अंतागढ़ दौरे को लेकर क्षेत्र में काफी उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री लामकन्हार स्थित एकलव्य विद्यालय के बिरसा मुंडा ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल हुए। क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान अंतागढ़, आमाबेड़ा और कोयलीबेड़ा की लंबे समय से लंबित विकास संबंधी मांगों पर कोई बड़ी घोषणा हो सकती है।

हालांकि कार्यक्रम के दौरान कुछ घटनाक्रमों ने दौरे को राजनीतिक और संगठनात्मक चर्चा का विषय बना दिया। भाजपा के कुछ पुराने एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं मिलने की बात सामने आई, जिससे

उनमें नाराजगी देखी गई। कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से असंतोष जताने और इस्तीफे तक की बात कहे जाने से स्थानीय संगठन में समन्वय को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि प्रवेश नहीं मिलने की वास्तविक वजह और इसके लिए जिम्मेदार पक्ष को लेकर कोई स्पष्ट आधिकारिक स्थिति सामने नहीं आई है।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री से अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर भी सवाल किया गया। यह मांग लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख मांगों में शामिल रही है। स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री इस विषय पर सरकार का रुख स्पष्ट करेंगे, लेकिन कोई स्पष्ट घोषणा या आश्वासन सामने नहीं आया। इससे क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं। अंतागढ़, आमाबेड़ा और कोयलीबेड़ा लंबे समय तक नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के बाद अब स्थानीय लोगों की उम्मीदें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली, पेयजल, सिंचाई और संचार जैसी सुविधाओं के विस्तार को लेकर बढ़ी हैं। लोगों की अपेक्षा है कि क्षेत्र को पिछड़े और नक्सल प्रभावित क्षेत्र की पहचान से आगे ले जाकर विकास के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान क्षेत्र की ओर से बड़ी विकास घोषणा सामने नहीं आने के कारण स्थानीय स्तर पर निराशा की चर्चा भी रही। विधायक विक्रम उसेंडी और सांसद भोजराज नाग से भी लोगों को उम्मीद थी कि वे क्षेत्र की प्रमुख मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रभावी ढंग से रखेंगे।

खिली धूप से खिले चेहरे
आफत की बारिश से मिली राहत

विश्व केसरी

दंतेवाड़ा (रविंद्र चेट्टी)। लगातार चार दिनों तक हुई झमाझम और आफत की बारिश के बाद पिछले दो दिनों से मौसम खुलने से लोगों ने राहत की सांस ली है। आसमान साफ होने के साथ खिली धूप ने जनजीवन को फिर से सामान्य होने का मौका दिया है। बारिश थमने से लोगों के चेहरे भी खिल उठे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों बस्तर संभाग के विभिन्न हिस्सों से भारी बारिश के कारण नदी-नालों के उफान पर आने, बाढ़ की स्थिति बनने और कई मार्गों के अवरुद्ध होने की खबरें सामने आई थीं। लगातार बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित होने के साथ ही लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में भी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

हालांकि, पिछले दो दिनों से बारिश थमने और धूप निकलने के बाद हालात में सुधार देखने को मिल रहा है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर भी आवागमन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। लंबे समय बाद निकली धूप का लोगों ने भी भरपूर आनंद लिया। इधर, मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में बारिश की संभावना फिलहाल कम है। मौसम साफ रहने से लोगों को उम्मीद है कि बारिश के कारण प्रभावित जनजीवन पूरी तरह सामान्य हो सकेगा।

पिकअप वाहन से टकराकर 14 वर्षीय बालक की मौत

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान चारामा में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। NH-30 स्थित दीनदयाल उपाध्याय चौक के पास 14 वर्षीय बालक पिकअप वाहन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे नगर में शोक का माहौल है।

बताया जा रहा है कि गणेश विसर्जन के दौरान वन-वे हाईवे चालू था। इसी दौरान बालक डिवाइडर पार कर सड़क की दूसरी तरफ जाने का प्रयास कर रहा था, तभी वह पिकअप वाहन की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि बालक की जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक की पहचान अर्नव तिवारी, पिता अनीश तिवारी, निवासी भाटापारा, चारामा के रूप में हुई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की जानकारी से नगरवासियों में गहरा दुख है। गणेश विसर्जन जैसे धार्मिक आयोजन के दौरान हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे नगर को झकझोर कर रख दिया है।

पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। हादसे के वास्तविक कारणों और घटना से जुड़ी अन्य परिस्थितियों की जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

मुख्यमंत्री ने अंतागढ़ के जनता की मन की बात नहीं सुनी : पूर्व विधायक अनूप नाग

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। पूर्व विधायक अनूप नाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के अंतागढ़ के एक दिवसीय अल्प प्रवास पर प्रधानमंत्री के मन की बात तो सुनी लेकिन अंतागढ़ क्षेत्र के जनता की मन की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में यदि प्रदेश के मुख्यमंत्री का प्रवास होता है तो क्षेत्र की जनता को कोई बड़ी सौगात मिलने की उम्मीद रहती है क्षेत्र के लोग काफी उम्मीद लगाए थे कि उनके अंतागढ़ प्रवास पर जरूर अंतागढ़ में कोई न कोई बड़ी घोषणा होगी लेकिन क्षेत्र की जनता को निराशा हाथ लगी है, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन के एक दिन पूर्व ही मेरे द्वारा मीडिया के माध्यम से अंतागढ़ प्रवास पर प्रधानमंत्री के मन की बात सुनने के साथ साथ क्षेत्र के लोगों के मन की बात सुनने की आग्रह किया था। परन्तु सांसद और विधायक स्थानीय होने के बावजूद मुख्यमंत्री के समक्ष नहीं रख पाने के कारण मुख्यमंत्री ने कोई घोषणा नहीं किया, यह भी एक महत्वपूर्ण कारण है।

ग्राम पंचायत लामकन्हार के जागरूक सरपंच मंजूलता गावड़े के द्वारा पंचायत के मूलभूत कार्यों के स्वीकृती के मांग पर लाखों रूपए का घोषणा किया गया जो बधाई के पात्र है तो वहीं कार्यक्रम में सांसद, विधायक मौजूद होने पर भी अन्य विकास कार्यों की घोषणा जैसे 1908 की ब्रिटिश कालीन तहसील अंतागढ़ को जिला बनाने कार्यक्रम स्थल से तो वहीं कार्यक्रम में सांसद विधायक मौजूद होने पर भी अन्य विकास कार्यों की घोषणा 1 फरलांग की दूरी पर वन विद्यालय का निर्माण, एवं नाहकसा जलाशय का भूमिपूजन तत्कालीन सिंचाई मंत्री रामविचार नेताम एवं विधायक विक्रम उसेंडी के मंत्रीत्व काल में भूमिपूजन हुआ था इस संबंध में इनके द्वारा कोई मांग व चर्चा नहीं की गई तथा समय समय पर क्षेत्र की जनता के द्वारा कोयलीबेडा मे, कोयलीबेड़ा में शासकीय महाविद्यालय, कोयली बेड़ा में ग्रामीण बैंक, अंतागढ़ बाईपास रोड, अंतागढ़ को सिविल अस्पताल, व्यवहार न्यायालय, नगर पंचायत अंतागढ़ को फायर ब्रिगेड, जैसे महत्वपूर्ण मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रभावी ढंग से नहीं रखा गया जिसके कारण यह कार्यक्रम केवल औपचारिक रहा। साथ ही क्षेत्रवासीयों के एवं बीजेपी के पदाधिकारीयों ने कार्यक्रम स्थल प्रवेश से वंचित रखने से अपमानित महसूस कर रहे है।

उन्होनें कहां सांसद और विधायक स्थानीय होने से लोगों को विकास कार्यों की घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने की उम्मीद थी. लेकिन ऐसा देखने सुनने को नहीं मिला। क्षेत्र की जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है कार्यकम के अंत मे माननीय मुख्यमंत्री के प्रेस वार्ता में किसी पत्रकार ने साहस दिखाते हुए विकास कार्यों के मुद्दों को उठाते हुए भानुप्रतापपूर व अंतागढ़ को जिला बनाने की राय चाहने पर मुख्यमंत्री ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया और सीधे हर घर मुनगा, घर घर मुनगा लगाने की नसीहत दे गए।

अंतागढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। सेवा संकल्प अभियान के तहत 30 सितंबर, बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग अंतागढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की गई है। आयोजकों ने स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से स्वेच्छा से रक्तदान कर इस मानवीय पहल में सहभागी बनने का आग्रह किया है। रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। क्षेत्रवासियों से स्वयं रक्तदान करने के साथ अन्य लोगों को भी प्रेरित करने की अपील की गई है। अधिकाधिक रक्तदाताओं की भागीदारी से शिविर को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

गौसेवा में जुटे कांग्रेस नेता रेखचंद जैन और निर्मल लोढ़ा

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर जिले में बाढ़ से उत्पन्न स्थिति से मनुष्य ही नहीं जानवर भी प्रभावित हुए हैं। विशेष रूप से गाय,भैंस जिन्हें खटाल वालों ने पाला था, जल स्तर बढ़ते ही उन्होंने इन सारे मवेशियों को छुट्टा छोड़ दिया। ऐसी विकट स्थिति में कांग्रेस नेता पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने अपने सहयोगी निर्मल लोढ़ा के साथ मिलकर प्रवीर वार्ड के लक्ष्मी नारायण मंदिर में गाय भैंसों को एकत्र कर उनके भोजन की व्यवस्था की, बल्कि उन्होंने खुद होकर सभी

को दाना भूसा दिया और उनके सुरक्षित रहने की व्यवस्था की।

जानकारी के अनुसार दो दर्जन से ज्यादा पशुधन यहां पर सुरक्षित रूप से भोजन प्राप्त कर रहे हैं। इंद्रावती नदी में आई प्रलयंकारी बाढ़ के पीड़ितों की मदद करने कांग्रेस नेता रेखचंद जैन, निर्मल लोढ़ा और अन्य सहयोगी काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सेवा टोली बाढ़ पीड़ितों के बीच जा जाकर पीड़ित परिवार को अपना सहयोग दे रही है।

बाढ़ पीड़ितों की सेवा में जुटी टीम, 500 लोगों के लिए तैयार किया नाश्ता

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बाढ़ की विभीषिका के बीच जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में 28 सितंबर की सुबह पौ फटते ही सेवा भावना से प्रेरित टीम ने करीब 500 बाढ़ पीड़ितों के लिए ताजा नाश्ता तैयार किया। टीम ने लगभग 50 किलो आलू-पोहा तैयार कर विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को वितरित किया।

रत्नेश बेंजामिन, बेनी फर्नांडिस, प्रशांत, लवली जॉन, रिकी डेनियल, अजय टाइट्स सहित महिला शक्ति की ओर से जायस

सिंह (पिंकी), मीना सेनापति, रतना दास, बीना जान और प्रमिला सेफ्ती के सहयोग से राहत अभियान चलाया गया।

टीम ने सबसे पहले रिलायंस पेट्रोल पंप और सोढ़ी पेट्रोल पंप के बीच सड़क किनारे झोपड़ियों में रह रहे बाढ़ प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर नाश्ता वितरित किया। इसके बाद डोंगाघाट क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को नाश्ता कराया गया। राहत अभियान का अगला पड़ाव शासकीय प्राथमिक शाला तामाकोनी रहा, जहां बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच नाश्ता वितरित किया गया। इसके बाद टीम आसना पहुंची और नदी किनारे बसे प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री के रूप में नाश्ता पहुंचाया। नदी किनारे के क्षेत्र में कई बड़े मकानों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति को देखते हुए टीम ने आसपास के पूरे किनारे के पारा में घूम-घूमकर लोगों को नाश्ता वितरित किया।

सेवा अभियान से जुड़े लोगों ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना ही सबसे बड़ी सेवा है। टीम का प्रयास है कि प्रभावित लोगों को मुश्किल समय में भोजन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। टीम ने आगे भी जरूरत के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेवा कार्य जारी रखने की बात कही।

बाढ़ में फंसे रहे गणेशजी! भक्तों ने पानी में उतरकर किया विसर्जन

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बाढ़ और बारिश के चलते बस्तर विकासखंड के मधोता-2 क्षेत्र में मनुष्य ही नहीं, बल्कि प्रथम पूज्यनीय भगवान गणेश जी भी प्रभावित नजर आए। यहां बाढ़ के कारण गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन समय पर नहीं हो पाया था। बाढ़ का पानी कम होने के बाद नवयुवक गणेश उत्सव समिति खैरगुड़ा द्वारा आज बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन बड़े भक्तिभाव और उत्साह के साथ किया गया।

उल्लेखनीय है कि खैरगुड़ा के चारों ओर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के कारण समिति ने परिस्थितियों को देखते हुए विसर्जन को आगे

बढ़ाया था। पानी कम होने के बाद आज विधि-विधान से गणपति बप्पा को विदाई दी गई। विसर्जन से पहले श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ गणपति बप्पा की विसर्जन यात्रा निकाली गई। समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। वहीं, विसर्जन के अवसर पर समिति की ओर से महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें खिचड़ी एवं खीर का वितरण किया गया। बाढ़ से प्रभावित परिवारों और ग्रामीणों ने महाभंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और जल्द सामान्य परिस्थितियों की कामना की। 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष के साथ गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

प्रभावितों को न्याय की दरकार : जैन

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। पूर्व विधायक व संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने प्रदेश सरकार से कहा है कि बाढ़ प्रभावितों को न्याय की दरकार है। बस्तर में ही 8 से 9 हजार बाढ़ प्रभावित हैं। बाढ़ ने प्रभावितों का सब कुछ छीन लिया है। क्या शहर क्या गांव सभी जगह लोग समान रूप से प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री को इस मामले में संवेदनशीलता का परिचय देते हुए नष्ट दस्तावेजों से सम्बद्ध कानून को शिथिल करना चाहिए। बाढ़ ने मार्कशीट, राशन कार्ड, जमीन सम्बन्धी दस्तावेजों समेत अन्य प्रमुख डाक्यूमेंट्स को लील लिया है। इस

मामले में उचित पहल किए जाने की दरकार पूर्व विधायक ने निरुपित की है। मीडिया को जारी बयान में उन्होंने कहा है की सीएम की घोषणाएं केवल खानापूर्ति नहीं होनी चाहिए। अपितु वास्तविकता लगनी चाहिए। जैन ने शासन- प्रशासन से वास्तविक मुआवजा की मांग की है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251